RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः284, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नौतन में जन सुराज का बिहार बदलाव रोड शो, प्रशांत किशोर, मनीष कश्यप और संतोष ... 03

महागठबंधन का बड़ा दांवः 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 रुपये में ... 04

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल रिलीज हुआ एक... 07

उमा भारती खत्म करेंगी राजनीतिक एकांतवास !

● पर रख दी है झांसी वाली शर्त,यूपी में चर्चे शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा की दिग्गज नेत्री और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती क्या अपना राजनीतिक एकांतवास खत्म करने वाली हैं। इसकी चर्चा भाजपा में जोरों पर है क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि वह 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि झांसी मेरी है और मैं यहीं से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहती हूं। उमा

भारती ने खुद ही राजनीति से दूरी बना ली थी और अन्य चीजों को प्राथमिकता बताया था। लेकिन अब खुद ही वह अपना राजनीतिक एकांत खत्म करती दिख रही हैं। उनके बयान से यूपी में चर्चा भी है और फिलहाल झांसी और उसके आसपास के इलाके में हलचल तेज है। वह पहले भी झांसी, महोबा जैसे इलाकों में सक्रिय रही हैं। उमा भारती लोधी समाज से आती हैं और इस बिरादरी की झांसी एवं उसके आसपास के इलाकों में काफी अच्छी है। पश्चिम यूपी, पूर्वी यूपी से लेकर बुंदेलखंड तक में लोधी समाज की अच्छी खासी आबादी है। कल्याण सिंह इस वर्ग के नेता हुआ करते थे।

पहले विदेश मंत्री को भेजा, अब खुद आने की तैयारी !

● बहुत जल्द भारत दौरा कर सकते हैं कनाडाई पीएम कार्नी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के संबंधों में आई गर्मजोशी के बीच कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी फरवरी 2026 में भारत का दौरा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि यह यात्रा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एक्शन समिट में भाग लेने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए होगी। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश कुमार

पाटनायक ने कनाडा के प्रमुख अखबार द ग्लोब एंड मेल को दिए इंटरव्यू में इसकी पुष्टि की है, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को नई गति देने का संकेत देता है। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान तनावग्रस्त रहे भारत-कनाडा संबंध मार्च 2025 में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। जून 2025 में कनाडा के कैनानास्किस में दोनों नेता मिले थे।

'अबकी बार मोदी सरकार' लिखने वाले पीयूष पांडे नहीं रहे

● हमारा बजाज, कुछ खास है जिंदगी में और दो बूंदें जिंदगी की से मशहूर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का गुरुवार को निधन हो गया। जानकारी आज सामने आई है। 70 साल की उम्र में मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। पीयूष ने अबकी बार मोदी सरकार नारा लिखा था। इसके अलावा, मिले सुर मेरा तुम्हारा गाना लिखा था। पीयूष पांडे की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे शरीर में संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार मुंबई में किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम ने एक्स पर लिखा, पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे।

एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा। उनके दुनिया से जाने से बहुत दुखी हूं। उनके परिजन के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। पीयूष 27 साल की उम्र में विज्ञापन जगत से जुड़ गए थे। उन्होंने शुरुआत अपने भाई प्रसून पांडे के साथ की। दोनों ने रेडियो जिंगल्स की आवाज दी थी।

भारतीय नौसेना को मिला ताकतवर युद्धपोत 'माहे'

● दुश्मन की पनडुब्बियों को कर देगा खत्म, बेहद है खास

कोच्चि (एजेंसी)। भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने भारतीय नौसेना को 'माहे' नामक पहला स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) सौंप दिया है। यह युद्धपोत आठ ऐसे जहाजों की सीरीज का पहला जहाज है, जो पूरी तरह से स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर आधारित है। इस डिलीवरी ने नौसेना की तटीय जलक्षेत्रों में पनडुब्बी-रोधी क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिलीवरी समारोह बुधवार को कोच्चि में आयोजित किया गया। स्वीकृति दस्तावेज पर सीएसएल के निदेशक (ऑपरेशंस) डॉ. एस. हरिकृष्णन और माहे के कमांडिंग ऑफीसर (डिजाइनेट) कमांडर अमित चंद्रा चौबे ने हस्ताक्षर किए। समारोह में वेस्टर्न नेवल कमांड के चीफ स्टाफ ऑफीसर (टेक्निकल) रियर एडमिरल आर. अधिश्रीनिवासन, कोच्चि के वारशिप प्रोडक्शन सुपरिंटेंडेंट कमोडोर अनुप मेनन सहित नौसेना और शिपयार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सीएसएल के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह जहाज डेट नोस्के वेरिटास (डीएनवी) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह नौसेना का सबसे बड़ा युद्धपोत है जो डीजल इंजन और वाटरजेट प्रोपल्शन सिस्टम से संचालित होता है, जो उथले जल में गति, चपलता और परिचालन लचीलापन प्रदान करता है। आईएनएस माहे की लंबाई 78 मीटर है और यह उथले जलक्षेत्रों में एंटी-सबमरीन ऑपरेशंस, माइन-लेइंग, खोज एवं बचाव कार्यों तथा कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज में आधुनिक सेंसर, एडवांस संचार प्रणालियां और कम साउंड सिग्नेचर वाली तकनीकें लगाई गई हैं, जो पनडुब्बी शिकार में प्रभावी साबित होंगी। इससे नौसेना की तटीय सुरक्षा और एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमताएं काफी मजबूत होंगी। सरकारी आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप, इस युद्धपोत में 90 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। अधिकांश सामग्री, मशीनरी, सेंसर और ऑनबोर्ड सिस्टम भारतीय निर्माताओं से प्राप्त किए गए हैं, जो देश की रक्षा औद्योगिक क्षमता की परिपक्वता को दर्शाता है। सीएसएल के प्रवक्ता ने कहा, माहे की डिलीवरी भारतीय नौसेना के स्वदेशीकरण प्रयासों में एक और मील का पत्थर है।

आंध्रप्रदेश में चलती बस में आग, 20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसी,इससे आग लगी,40 यात्री सवार थे

कुर्नूल (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3.30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। एनएच-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे।

आग लगी, शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला

कुर्नूल रेंज के आईजी कोया प्रवीण ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा-कुर्नूल का हादसा दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के साथ है। पीएमओ ने मृतकों के परिवार के लिए 2 लाख और घायलों को 50 हजार दिए जाने का ऐलान किया है। जाएगी। तेलंगाना सरकार ने मारे गए लोगों के परिजन को 5 लाख और घायलों को 2 लाख की सहायता का ऐलान किया है।

सुरक्षा परिषद का एक सदस्य आतंकी संगठनों का हितैषी

जयशंकर ने पहलगाम अटैक का जिक्र कर यूएन की विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है जो पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चिंता जताई कि सुरक्षा परिषद का एक स्थायी

सदस्य खुले तौर पर उन संगठनों का बचाव करता है जो पहलगाम जैसे भयानक आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं। यह बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है।

उत्तराखंड में सफर महंगा, बाहरी वाहनों पर लगेगा ग्रीन टैक्स

● 24 घंटे के लिए होगा मान्य,150 करोड़ की कमाई करेगी सरकार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सफर करना अब महंगा होने वाला है। राज्य सरकार बाहर से आने वाली गाड़ियों से ग्रीन टैक्स वसूल करने की तैयारी में है। अब तक यह शुल्क सिर्फ कॉमर्शियल गाड़ियों पर लागू था, लेकिन जल्द ही सरकार निजी कार, जीप और अन्य चार पहिया गाड़ी को इसके दायरे में लाने वाली है। इससे सरकार को सालाना 150 करोड़ रुपए आय होने की उम्मीद है। इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए परिवहन विभाग ने एक निजी कंपनी से करार किया है, जो राज्य की सीमाओं पर लगे 15 ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों के जरिए बाहर से आने वाले गाड़ियों की पहचान करेंगी। ग्रीन टैक्स एक ऐसा कर है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के लिए प्रोत्साहित करना है।

अब बिहार को लालटेन और उसके साथी नहीं चाहिए

● पीएम मोदी का महागठबंधन पर वार,बोले-झुकेगा नहीं बिहार

समस्तीपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार को अब लालटेन और उसके साथी नहीं चाहिए और आप झुकेगा नहीं बिहार। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में भी नीतिश कुमार के नेतृत्व में एनडीए जीत के अपने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाला है। इन चुनावों में बिहार एनडीए को अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार दौरे पर समस्तीपुर में विशाल और ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मौके पर मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की धरती समस्तीपुर में मेरे परिवारजनों का अपार उत्साह साफ बता रहा है कि इस बार बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

● नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी एनडीए सरकार- पीएम मोदी ने कहा- इस समय आप जीएसटी बचत उत्सव का भी खूब आनंद ले रहे हैं और कल से छठी मईया का महापर्व भी शुरू होने जा रहा है। ऐसे व्यस्त समय में भी आप इतनी विशाल संख्या में यहां आए हैं, समस्तीपुर का जो ये माहौल है, मिथिला का जो मूड है उसने पक्का कर दिया है- नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी एनडीए सरकार। उन्होंने कहा- लोकतंत्र के महापर्व का बिगुल बन चुका है और पूरा बिहार कह रहा है। फिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन सरकार, जंगलराज वालों को दूर रखेगा बिहार। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को उनके पैतृक गांव कर्पूरी ग्राम (समस्तीपुर) में श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, केंद्रीय मंत्री और कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर सहित कई अन्य नेता भी मौजूद थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के परिजनों से मुलाकात भी की।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पर टीटीपी का कब्जा !

● घुसने से भी डर रही जिहादी मुनीर की पंजाबी सेना, डूरंड लाइन खत्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना और टीटीपी आतंकियों के लिए अफगानिस्तान से सटा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत जंग का मैदान बन गया है। पाकिस्तानी सेना बहुत तेजी से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कई जिलों से अपनी पकड़ खोती जा रही है। इस इलाके पर अब तहरीक-ए-तालिबान यानि टीटीपी और उसके सहयोगी गुटों के आतंकियों ने अपनी पकड़ काफी मजबूत कर लिया है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मौजूद सीमा रेखा डूरंड लाइन खासकर खैबर, कुर्रम, उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान तथा बाजौर तक जाने से भी पाकिस्तानी सेना डर रही है। इन इलाकों पर प्रभावी तरीके से टीटीपी का कंट्रोल हो गया

है। रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी के आतंकियों ने खैबर प्रांत के कबायली जिलों के रास्ते में कई जगहों पर चेकप्वाइंट बना लिया है और उन्हें रोकने में पाकिस्तानी सेना बुरी तरह से फेल साबित हो रही है। इसमें पेशावर- खैबर रोड, हांगू-कुर्रम कॉरिडोर, बन्नू-डेरा इस्माइल खान रास्ता जो वजीरिस्तान को जाता है, शामिल है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि टीटीपी के आतंकी खुलेआम वाहनों की जांच कर रहे हैं और लोगों के पहचान पत्र को देख रहे हैं। इसके अलावा वे जिहाद के लिए चंदा भी जमा कर रहे हैं। यही नहीं टीटीपी के मीडिया विंग ने वीडियो जारी करके दिखाया है कि कैसे उसके लड़ाके इन चेकपोस्ट पर तैनात हैं और खुलकर जांच कर रहे हैं। इसके जरिए टीटीपी के आतंकी अपने कंट्रोल को दिखा रहे हैं और पाकिस्तानी सरकार को चुनौती दे रहे हैं। टीटीपी के एक आतंकी कमांडर ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को खैबर पख्तूनख्वा आने के लिए चुनौती दी है। उसने कहा है कि अगर असीम मुनीर मर्द हैं और मां का दूध पिया है तो वह खैबर आकर दिखाएं। खुफिया सूत्रों ने चेतावनी दी है कि टीटीपी के आतंकियों ने अपने परंपरागत ग्रामीण इलाके से बाहर निकलकर पेशावर के शहरी इलाकों में अपने अभियान चलाने शुरू कर दिए हैं। टीटीपी के आतंकी अब बडाबेर, मत्तानी और बोरा रोड कॉरिडोर पर पहुंच गए हैं जो अब तक पाकिस्तानी सेना के कब्जे में था।

टीटीपी को सपोर्ट कर रहे पाकिस्तानी कबायली

तहरीक-ए-तालिबान के आतंकी अपना प्रशासनिक ढांचा खड़ा कर रहे हैं और ठीक वही रणनीति अपना रहे हैं जो तालिबान ने अफगानिस्तान पर अपने कब्जे के लिए अपनाई थी। इसके तहत वे पहले ग्रामीण इलाके पर कब्जा कर रहे हैं और फिर शहरों की ओर बढ़ रहे हैं। हालत यह है कि पाकिस्तानी सैनिक घने कबायली इलाके में तैनाती से भाग रहे हैं। इसके पीछे वजह यह है कि टीटीपी के हमले में बहुत बड़ी तादाद में पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। यही नहीं स्थानीय कबायली टीटीपी का खुलकर सपोर्ट करते हैं। पंजाबी मूल के सैनिक वहां जाने से भी डर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा की चुनौती पाकिस्तानी सेना के लिए सबसे बड़ी बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

दाह संस्कार से लौट रहे व्यक्ति की एक्सीडेंट में मौत

पटना। पटना के फतुहा में गुरुवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 47 वर्षीय रंजय सिंह की मौत हो गई। यह घटना नेशनल हाईवे 30A पर यदुवंश नगर, सोनारू मोड़ के पास हुई। रंजय सिंह अपने छोटे भाई के ससुर के दाह संस्कार से लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक को ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी और बाद में एक ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। मृतक की पहचान सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के भरपुरा गांव निवासी हरेंद्र सिंह के पुत्र रंजय सिंह के रूप में हुई है। वह अपने भतीजे राकेश कुमार सिंह के साथ बाइक से नरौली बहादुरपुर करौटा स्थित अपने भाई के ससुराल से घर सोनपुर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, फतुहा-दनियावां नेशनल हाईवे 30A पर यदुवंश नगर सोनारू मोड़ के पास जैसे ही उनकी बाइक पहुंची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक ई-रिक्शा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से बाइक सड़क पर गिर गई। बाइक से गिरने के बाद पीछे बैठे रंजय सिंह भी सड़क पर

जा गिरे। दुर्भाग्यवश, उसी समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल रंजय सिंह को फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है। मृतक के भतीजे और बाइक चालक राकेश कुमार सिंह ने बताया, "हम दाह संस्कार करके घर लौट रहे थे। अचानक ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी और चाचा सड़क पर गिर गए। पीछे से ट्रैक्टर आया और उन्हें रौंद दिया। मैं किसी तरह बच गया, लेकिन चाचा को नहीं बचा सका।" फतुहा थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाढ़ में गंगा नदी में मृत घड़ियाल मिला

पटना। मोकामा प्रखंड के ओंटा दरियापुर गांव में गुरुवार को गंगा नदी में एक मृत घड़ियाल मिलने से हड़कंप मच गया। यह घड़ियाल छठ घाट की सफाई के दौरान नदी किनारे पाया गया। मृत घड़ियाल को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण घाट पर जमा हो गए। देखते ही देखते नदी किनारे भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों ने एक नाविक की मदद से घड़ियाल को नदी से बाहर निकालकर किनारे पर रखा। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से इसी इलाके में घड़ियाल को देखा जा रहा था। पहले इसे सामान्य रूप से तैरता हुआ समझा गया था, लेकिन गुरुवार सुबह जब सफाईकर्मी पहुंचे तो उसे मृत

अवस्था में पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही हाथीदह थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मृत घड़ियाल का मुआयना किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि मौत के कारणों का पता चल सके। ग्रामीणों के अनुसार, इस क्षेत्र में पहले भी कभी-कभी गंगा नदी में घड़ियाल दिखाई देते रहे हैं, लेकिन मृत अवस्था में घड़ियाल का मिलना यह पहली बार हुआ है। इस घटना से इलाके के लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि यह दुर्लभ जलचर गंगा किनारे कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई।

बिदूपुर मंदिर के महंत नारायण दास ब्रह्मलीन, 35 साल से कर रहे थे सेवा, पैतृक गांव में ली अंतिम सांस

हाजीपुर। वैशाली के बिदूपुर स्थित बाबा गणिनाथ गोविंद भगवान मंदिर के 96 वर्षीय पुजारी महंत नारायण दास, जिन्हें नगीना साह के नाम से भी जाना जाता था,उनका बीते देर शाम पैतृक गांव पकौली में निधन हो गया। वे पिछले 35 वर्षों से बिदूपुर मंदिर में पूजा-पाठ कर सेवा दे रहे थे। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। बाबा गणिनाथ गोविंद भगवान न्यास समिति बिदूपुर के सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया। समिति के सदस्य विद्यानन्द साह, शशि भूषण प्रसाद, सियाराम साह, मुन्ना कुमार, देवानंद कुमार, प्रेम कुमार, सागर कुमार और मनीष कुमार सहित अन्य लोगों ने शोकाकुल परिवार से मिलकर सांत्वना दी। महंत नारायण दास के पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक बिदूपुर गणिनाथ मंदिर लाया गया। उनका अंतिम संस्कार बिदूपुर पलवैया धाम धर्मगाछी में संपन्न हुआ। उनके भतीजे पन्ना लाल साह ने उन्हें मुखाग्नि दी। महंत नारायण दास एक ज्ञानी और प्रेरक व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। वे समाज परिवर्तन के लिए लोगों को प्रेरित करते थे और पौराणिक कथाएं सुनाते थे, जिन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहते थे। उनके निधन से उनके शुभचिंतकों में गहरा दुख है।

सीएम नीतीश की सभा में युवक ने उड़ाया ड्रोन

हाजीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वैशाली में आयोजित एक चुनावी सभा में एक युवक द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने की घटना सामने आई है। इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था में हड़कंप मच गया। सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिससे चुनावी अवधि में ड्रोन के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला स्थानीय गरौल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के सभा स्थल पर पहुंचने से ठीक पहले दोपहर बाद अचानक एक ड्रोन प्रतिबंधित क्षेत्र में उड़ता देखा गया। ड्रोन की आवाज और उसकी उपस्थिति से सुरक्षाकर्मी तुरंत सतर्क हो गए और उसके संचालक का पता लगाने में जुट गए। जल्द ही सुरक्षाकर्मियों की नजर सभा स्थल के पास खड़े एक युवक पर पड़ी, जो रिमोट के जरिए ड्रोन को नियंत्रित कर रहा था। सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को घेर लिया, उसे हिरासत में लिया और ड्रोन बरामद कर लिया। युवक को तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया गया। शुरुआती पूछताछ में उसकी पहचान महुआ निवासी अमन कुमार (22) के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि अमन कुमार महुआ से लोकतांत्रिक जनता पार्टी (लोजपा) के प्रत्याशी संजय कुमार के साथ सभा में पहुंचा था। हालांकि, उसने ड्रोन क्यों उड़ाया और इसके पीछे उसका क्या उद्देश्य था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि यह सिर्फ एक शौकिया हरकत थी या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा। इस संबंध में गरौल थानाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए बताया, "अमन कुमार को प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है और ड्रोन भी बरामद कर लिया गया है।"

वैशाली में दरोगा के परिवार-सीआरपीएफ जवानों में मारपीट

हाजीपुर। वैशाली में चेकिंग के दौरान CRPF जवानों और दरोगा के परिवार में जमकर मारपीट हुई। बताया जा रहा है कि दरोगा अपनी पत्नी और बच्चे के साथ कार से हाजीपुर से बिदुपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चेकिंग पॉइंट पर पुलिस ने गाड़ी रोकी। दोनों को उतरने को कहा इसके बाद गाली गलौज शुरू हो गई। थोड़ी देर में नौबत हाथापाई पर आ गई। दंपती ने CRPF जवान की पिटाई शुरू कर दी। जवानों को लाठीचार्ज करना पड़ा। जवानों की कार्रवाई में दरोगा का बेटा घायल हो गया। उसके सिर से खून निकलने लगा। जवानों का आरोप है कि उनके हथियार छीनने की भी कोशिश की गई। मामला 22 अक्टूबर का है इसका वीडियो आज सामने आया है। घटना हाजीपुर-बिदुपुर के पास सैदपुर गणेश इलाके की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दरोगा अपने परिवार के साथ कार से जा रहे थे। गाड़ी पर पुलिस का बोर्ड देखकर CRPF जवान ने जांच के लिए रोकी। कार थोड़ी दूर जाकर रुकी। इसके बाद जवान गाली-गलौज करते हुए डिग्गी खोलकर चेक करने लगे और सारा सामान बिखेर दिया। इस पर दरोगा बोला की हम भी बिहार सरकार में पुलिस है आप ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं। सामान को वापस डिग्गी में रख दीजिए। इतने में जवान भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। इसी बीच महिला कार से निकलकर आई और जवान को थप्पड़ मार दिया। इसके जवाब में जवानों ने डंडे चलाना शुरू कर दिया। जिससे दरोगा के बेटे के सिर में चोट लग गई और खून बहने लगा। इसके बाद 10 से 15 मिनट तक सड़क के बीचो-बीच बवाल हुआ। आखिर में जवान ने लाठीचार्ज भी कर दिया।

चिराग बोले-महागठबंधन के लिए मुस्लिम केवल वोट बैंक

भाजपा सांसद का तंज-न राहुल को तेजस्वी पसंद, न तेजस्वी को राहुल, सीएम फेस घोषित करना आई वॉश

एजेंसी, पटना

तेजस्वी यादव को CM और मुकेश सहनी को डिप्टी CM फेस घोषित करने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'वे केवल अपना वोट बैंक बनाए रखना चाहते हैं। वे मुसलमानों के बारे में बात करते हैं, लेकिन जब उन्हें प्रतिनिधित्व देने की बात आती है, तो वे उन्हें कुछ नहीं देते।' 'मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम चेहरे के रूप में घोषित किया गया है, लेकिन उन्हें अपने समुदाय के लोगों को प्रतिनिधित्व देने की परवाह नहीं है। जो लोग चुनाव प्रचार के लिए नहीं निकले हैं, वे बिहारियों के लिए कैसे काम करेंगे? महागठबंधन में, लड़ाई केवल उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए है।' इधर, आज पीएम मोदी समस्तीपुर और बेगूसराय में जनसभा करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक सप्ताह में दूसरी बार बिहार आ रहे है। शाह आज सीवान और बक्सर में जनसभा करेंगे। इससे पहले गुरुवार को जेपी नड्डा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी।

तेजस्वी को CM फेस घोषित करना आई वॉशः मनोज तिवारीः चुनावी सभा के

लिए पटना पहुंचे बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा, महागठबंधन मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट बैंक समझती है। उनको कुछ देने का तो होता ही नहीं है। सही मायने में देखिए तो मुस्लिम समाज के लिए अगर किसी ने कुछ किया है तो वो एनडीए ने किया है, मोदी जी ने किया है, नीतीश जी ने किया है। महागठबंधन में तो तेजस्वी यादव को अपने को सीएम घोषित कराने में नाको चने चबाने पड़े हैं। महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। मनोज तिवारी और रवि किशन की कोई आइडेंटिटी नहीं है, खेसारी लाल के इस बयान पर मनोज तिवारी ने कहा, खेसारी छोटा भाई है, जो भी कहेगा सुन लेंगे।

नीतीश कुमार का इशारों में तेजस्वी पर तंजः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इशारों में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर हमला बोला। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- वोटिंग से कुछ दिन पहले जीविका दीदियों और बिहार की आधी आबादी का हितैषी दिखने की कोशिश कर रहे हैं। ये जीविका दीदियों के नाम पर अपने व अपने परिवार की 'आजीविका' तलाश रहे हैं। चांद-तारे तोड़ लाने की बात कर रहे हैं। नीतीश ने कहा कि बिहार की बहन-बेटियां फिर एनडीए सरकार बनाने जा रही हैं। बिहार की जनता ने इन लोगों (राजद) को भी मौका दिया था, लेकिन तब इनका ध्यान सेवा करने से ज्यादा मेवा खाने पर लगा हुआ था। नीतीश ने कहा कि 2005 में बिहार से किया वादा हमें हमेशा याद रहता है। जब तक मैं हूं, बिहार को और विशेष तौर पर हमारी बहन-बेटियों को आगे बढ़ने से कोई शक्ति रोक नहीं सकती। अपनी मेहनत से बिहार को संवारने वाली ऐसी करोड़ों जीविका दीदियां हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। 1 करोड़ 40 लाख से अधिक जीविका दीदियां बिहार और देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभा रही हैं।

बिहार में 30-31 अक्टूबर के बीच बारिश की संभावना

एजेंसी, पटना

- 26 से बदलने लगेगा मौसम, नवंबर के पहले सप्ताह से ठंड की हो जाएगी शुरुआत

पटना मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार 26 अक्टूबर से बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि 30 और 31 अक्टूबर को पूरी राज्य में बारिश के आसार है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी भरी हवाएं इसकी वजह बनेगी। खासकर जमुई, नवादा, बांका, किशनगंज और अररिया जैसे जिलों में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। उत्तर बिहार के सीमित हिस्सों में हल्की या छिटपुट बारिश होगी। मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होने वाली बारिश के बाद नवंबर के पहले सप्ताह से ही ठंड की शुरुआत हो जाएगी। दिन के तापमान में गिरावट के साथ सुबह और रात में ठंडी हवाएं चलने लगेंगी। यह मौसम परिवर्तन छठ पर्व के समय तक और स्पष्ट रूप से दिखेगा।

पटना आज मौसम रहेगा सामान्यः पटना में आज मौसम सामान्य रहेगा। धूप हल्की तेज रहेगी और अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, शाम होते-होते हल्की ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 26 अक्टूबर से आसमान में बादल घिरने शुरू होंगे और 30-31 अक्टूबर को पटना में भी बारिश के संकेत हैं। बारिश के बाद तापमान में 2-3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

नमी वाली हवाएं बिहार की तरफ बढ़ रहीः मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से ही दक्षिण-पूर्वी बिहार के इलाकों में बादल छाने लगेंगे। बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। इसके कारण नमी भरी हवाएं बिहार की ओर बढ़ रही हैं। जैसे-जैसे ये हवाएं मजबूत होंगी, राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की स्थिति बनेगी।

पटना के 6 छठ घाट खतरनाक घोषित

एजेंसी, पटना

पटना में छठ महापर्व से पहले प्रशासन ने छह घाटों को खतरनाक घोषित किया है। इन घाटों पर श्रद्धालुओं और आम लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूर्य उपासना का महापर्व छठ शनिवार, 25 अक्टूबर से 'नहाए-खाए' के साथ शुरू होगा। चार दिवसीय इस पवित्र पर्व के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पर्व को लेकर घाटों और तालाबों की साफ-सफाई की जा रही है, साथ ही सड़कों के किनारे रोशनी की व्यवस्था भी की जा रही है। गंगा नदी के किनारे वाले घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर गोताखोरों और एसडीआरएफ (SDRF) टीम को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

शनिवार से छठ करने वाले श्रद्धालु गंगा नदी में स्नान कर 'नहाए-खाए' का प्रसाद ग्रहण करेंगे, जिसके साथ ही व्रत का शुभारंभ

- प्रशासन ने श्रद्धालुओं के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध, गोताखोर-एसडीआरएफ टीम सतर्क

होगा। जिला प्रशासन व्रतियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटा है। खतरनाक घोषित किए गए घाटों में पहलवान घाट, बांस घाट, राजापुर पुल घाट, कंटाही घाट, बुद्ध घाट और नया पंचमुखी चौराहा घाट शामिल हैं। इन सभी घाटों पर सुरक्षा कारणों से आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

छोटे सरकार मर्डर केस का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार, दानापुर कोर्ट परिसर में हुई थी हत्या

एजेंसी, पटना

दानापुर न्यायालय परिसर में हुए छोटे सरकार हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद नौशाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने पटना एसटीएफ की मदद से उसे आनंद बाजार से पकड़ा है। उसके पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल बरामद किया गया है। यह जानकारी पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर 2023 को दानापुर न्यायालय में पेशी के दौरान कुख्यात अपराधी छोटे सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा हैः दानापुर थाना में कांड संख्या 1571/23 दर्ज किया गया था। गिरफ्तार मोहम्मद नौशाद इस हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता था। पुलिस के अनुसार, उसने ही घटना में शामिल अपराधियों को हथियार मुहैया कराए थे। वह लंबे समय से

फरार चल रहा था। नौशाद दानापुर डीएसपी कार्यालय के पीछे वार्ड संख्या 12 का निवासी है। उसका आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ दानापुर तथा नदी थाना में कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बिहटा कांड संख्या 454/19 के मामले में बेउर जेल से विचाराधीन कैदी अभिषेक उर्फ छोटे सरकार को 15 दिसंबर 2023 को अपर जिला सत्र न्यायाधीश तृतीय मनोज कुमार श्रीवास्तव के कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। दोपहर करीब दो बजे कोर्ट हाजत से हवलदार भूरण झा और एक आर्म्स सिपाही के साथ उसे कोर्ट ले जाया जा रहा था।

हथियार भी जब्त

2 अपराधियों ने छोटे सरकार पर चलाई थी गोलियांः कोर्ट हाजत से कुछ दूरी पर पहुंचते ही पीछे से आए दो अपराधियों ने छोटे सरकार पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। अपराधियों ने पिस्टल से उसे चार गोलियां मारीं, जिससे वह मौके पर ही खून से लथपथ होकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। हवलदार भूरण झा ने एक अपराधी को पकड़ने का प्रयास किया था। दूसरे अपराधी को वहां मौजूद लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

तेजस्वी बोले- मैं टूटी-फूटी-झूठी बात नहीं करता

एजेंसी, पटना

महागठबंधन के CM फेस बनने के बाद तेजस्वी यादव ने आज यानी शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। पटना से रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, "अगर जनता उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। अगर तेजस्वी सीएम बनेगा, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। हमने जो वादा किया है, उसे पूरा करेंगे। हमारी राजनीति झूठ नहीं, भरोसे की राजनीति है।" उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर हर परिवार में एक सरकारी नौकरी देने का वादा पूरा किया जाएगा और जीविका दीदियों के सशक्तिकरण के लिए विशेष योजना लागू की जाएगी। "हमारी घोषणाएं चुनावी जुमला नहीं हैं। सरकार चाहे कुछ भी घोषणा कर ले, लेकिन हमारा विजन और ईमानदारी अलग है। अगर हमें मौका मिला, तो हर वादा लागू होगा।"

पीएम बिहार के लॉ एंड ऑर्डर पर क्यों नहीं बोलते- तेजस्वीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान "अब बिहार में जंगलराज नहीं रहेगा" पर तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री कहते हैं कि जंगलराज नहीं

- सीएम बना तो मेरे साथ 14 करोड़ बिहारी भी मुख्यमंत्री बनेंगे, हर वादा पूरा करूंगा

रहेगा,लेकिन बिहार में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, गोलीबारी हो रही है, 55 से अधिक घोटाले हुए हैं। जिनका जिक्र खुद प्रधानमंत्री ने मंच से किया था। उन घोटालों का क्या हुआ? जांच कहां गई? असल जंगलराज तो यही है।" उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर प्रधानमंत्री को भी जवाब देना चाहिए। "प्रधानमंत्री इन सब पर क्यों नहीं बोलते? क्या बिहार के हालात उन्हें नहीं दिखते?"

तेजस्वी की आज 5 चुनावी सभाः गुरुवार को महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम फेस के लिए तेजस्वी के नाम की घोषणा की गई। इसके साथ ही दूसरे फेज के 3 कैंडिडेट्स ने नॉमिनेशन वापस लिए। तेजस्वी यादव की चुनावी सभा भी तय की गई। तेजस्वी यादव आज यानी शुक्रवार से चुनावी सभा करेंगे। पहले दिन वे सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली में जनसभा करेंगे और महागठबंधन प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगेंगे। इसके अलावा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य आरा में पार्टी और महागठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा करेंगे।

राजद ने लॉन्च किया चुनावी सॉन्गः राजद ने बिहार विधानसभा को लेकर चुनावी सॉन्ग लॉन्च किया है। जिसमें तेजस्वी को कर्मठ योद्धा, सेवाभावी बताया गया है। साथ ही कहा गया तेजस्वी को एक बार मौका देना है... इस बार मौका देना है....। 5 मिनट के इस गाने को राजद ने अपने ग्रुप में शेयर किया है। वहीं महागठबंधन की चुनावी घोषणा पत्र का ऐलान 28 अक्टूबर को होगा।

हाईवा अनियंत्रित होकर लाइन होटल में घुसा, 3 घायल

एजेंसी, पटना

पटना-बख्तियारपुर नेशनल हाईवे-30 पर शुक्रवार की सुबह बुद्धदेव चक के पास सड़क हादसा हुआ। गिट्टी लदा अनियंत्रित हाईवा डिवाइडर को पार करते हुए सड़क की दूसरी तरफ स्थित महादेव लाइन होटल में घुस गया। हादसे में होटल को नुकसान पहुंचा। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह उस वक्त हुई जब झारखंड से गिट्टी लादकर पटना की ओर जा रहा तेज रफ्तार हाईवा कोका-कोला फैक्ट्री के पास अनियंत्रित हो गया। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। दुर्घटना में लाइन होटल के मालिक रविंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके ऊपर दीवार गिर गई थी। वहीं, होटल में चाय पीने आए कोका-कोला फैक्ट्री के 2 ड्राइवर नालंदा के परवलपुर प्रखंड स्थित चौसंडा निवासी 35 वर्षीय बबलू कुमार और बैजू कुमार भी घायल हो गए।

घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। गनीमत रही कि होटल के अंदर वाले कमरे में 5-6 ड्राइवर आराम कर रहे थे और हाईवा मात्र दो फीट और अंदर नहीं जा सका, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष सदानंद शाह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। हाईवा को जब्त कर लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बेऊर से 15 गैंगस्टर भागलपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के को देखते हुए पटना पुलिस ने बेऊर जेल में बंद 15 कुख्यात गैंगस्टरों को भागलपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया है। पटना पुलिस ने इन गैंगस्टरों को सूचीबद्ध कर यह कदम उठाया है। पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि आशंका थी कि ये गैंगस्टर वर्षों से जेल में रहकर अपने गिरोह के नेटवर्क से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। चुनाव में बाधा उत्पन्न करने की साजिश रचने की संभावना को देखते हुए इन्हें शिफ्ट किया गया है। पुलिस का उद्देश्य जेल से संचालित होने वाले आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करना है।

बेऊर से भागलपुर सेंट्रल जेल भेजे गए 15 गैंगस्टरों में रवि गोप, राजेश यादव, उमेश यादव, तौसीफ राजा उर्फ बादशाह, नियाज अहमद, शंकर राय, शाहबाज उर्फ बुढ़वा उर्फ शौकत, विजय कांत पांडे उर्फ धन्नू पांडे, रौशन शर्मा, सन्नी डोम, मोनू कुमार, दानिश, मोहम्मद राजा, विजय

- पटना पुलिस ने चुनाव से पहले की कार्रवाई, तैयार की जा रही है कुख्यातों की लिस्ट

सहनी और माजिद खान शामिल हैं। यह कार्रवाई तब सामने आई जब हाल ही में पत्रकार नगर और चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्रों से निजी स्कूल संचालक और बैंक अधिकारी को धमकी देने के आरोप में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि इन अपराधियों के तार बेऊर जेल में बंद कुख्यात गिरोहों से जुड़े हुए थे। सभी गैंगस्टरों को कड़ी सुरक्षा के बीच भागलपुर सेंट्रल जेल भेजा गया है।

'पीएम का कर्पूरी की प्रतिमा के सामने जाना एक ढकोसला'

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार दौरे पर है उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। बिहार कांग्रेस के सचिव प्रभारी सुशील पासी ने कहा कि जब बिहार में कर्पूरी ठाकुर की सरकार थी और उन्होंने पिछड़ी जाति के लोगों के लिए 26% आरक्षण की घोषणा की तो इन्हीं भाजपा और आरएसएस के लोगों को यह बात बर्दाश्त नहीं हुई और उन्होंने बहुमत से चल रही सरकार को गिरा दिया। आज ये लोग सिर्फ ड्रामा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आज घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

मोदी का कर्पूरी की प्रतिमा के सामने जाना एक ढकोसलाः सुशील पासी ने आगे कहा कि आज इस देश में ऐसा संकट आया है की राजनीति ड्रामा और नौटंकी से चल रही है। भाजपा, आरएसएस और जनसंघ के लोग आरक्षण विरोधी है और नहीं चाहते हैं कि देश में व्यवस्था परिवर्तन हो। आज कर्पूरी जी के घर जाकर पीएम मोदी ने उनके विचारों का हनन किया है। पीएम मोदी का उनके प्रतिमा के सामने जाना एक ढकोसला है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा सामाजिक न्याय का विरोध किया है। 1978 में उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की सरकार गिरा दी और 1989 में बीपी सिंह की

- कांग्रेस बोली- वह घड़ियाली आंसू बहा रहे, बिहार में फिर से लागू होगा नेहरू मॉडल

सरकार गिरा दी। यह दिखाता है कि बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा देश में समतापूरक समाज के खिलाफ है। यह लोग तो बाबासाहेब अंबेडकर को भी संसद में अपमानित करते हैं। ये लोग महिला आरक्षण लेकर आते हैं, तो दलित और पिछड़ा महिलाओं को उसमें आरक्षण के हिस्सेदारी नहीं दी गई।

फिर से नेहरू मॉडल बिहार में लागू होगाः सुशील पासी ने कहा कि ये लोग जातीय जनगणना का लगातार विरोध करते रहे। मगर जब राहुल गांधी ने देश की सड़कों से लेकर संसद तक संघर्ष किया। तब उन लोगों ने बिहार के चुनाव को देखकर, नाटक करने के लिए जातीय जनगणना करने का ऐलान किया। बिहार का चुनाव देश का चुनाव है। यह पार्टी का चुनाव नहीं बल्कि बिहार के मतदाताओं का चुनाव है। हम भूमिहीनों को 3-5 डिसमिल जमीन देंगे, जो नौकरी के पद खाली है उन्हें नौकरी देंगे। वहीं, जो सरकारी संस्था ने बंद पड़े हैं उसे हम चालू करने का काम करेंगे। फिर से नेहरू मॉडल बिहार में लागू हो इसके लिए इंडिया गठबंधन ने कमर कस लिया है।

पीएम मोदी और अमित शाह सिर्फ षड्यंत्र करतेः पीएम मोदी और अमित शाह सिर्फ षड्यंत्र करते हैं। षड्यंत्र के अलावा उन्हें बिहार में कुछ देने नहीं आता है। वह तो केंद्र सरकार में है, उनके पास तो खजाना है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कई सालों से हो रही है। वह चाहे तो दे सकते हैं, मगर डबल इंजन की सरकार बिहार के लोगों का हित करें कभी नहीं चाहती है। बिहार को नफरत की आग में झोंकने के लिए प्रधानमंत्री मोदी बार-बार बिहार आते हैं। पीएम मोदी का किसी भी तरह का ड्रामा यहां पर नहीं चलेगा। यह बिहार की धरती है और यहां लोकतंत्र और आरक्षण को बचाने के लिए बिहार के लोग उठ खड़े होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कार्रवाई में टेम्पू से ढाई सौ लीटर देशी चुलाई शराब बरामद, चालक फरार

बीएनएम @ हरसिद्धि । छठ पर्व को लेकर पूरे जिले में चलाए जा रहे विशेष गश्ती अभियान के दौरान हरसिद्धि थाना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने एक टेम्पू से करीब ढाई सौ लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की है। हालांकि, मौके का फायदा उठाकर टेम्पू चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, दरोगा अविनाश कुमार और मन्नू यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम परशुरामपुर चौक के पास वाहनों की सघन जांच कर रही थी। इसी दौरान एक टेम्पू पुलिस जांच प्वाइंट की ओर बढ़ा। टेम्पू से तेज शराब की गंध आने पर पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक गाड़ी मोड़कर फरार होने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने पीछा करते हुए वाहन को पकड़ लिया, हालांकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। जब पुलिस ने टेम्पू की जांच की तो उसमें लदे पांच बोरे में भरी लगभग ढाई सौ लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुई। शराब को जब्त कर थाने लाया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि फरार टेम्पू चालक की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में पुलिस की गश्ती और निगरानी को और अधिक तेज कर दिया गया है।

सड़क से हटे बिजली पोल, अब चारपहिया वाहनों का होगा सुगम आवागमन

बीएनएम @ तुरकौलिया। स्कूल चौक से बाजार जाने वाली सड़क पर अब चारपहिया वाहन भी आसानी से आ-जा सकेंगे। लंबे समय से पोल और निजी जमीन मालिक द्वारा बाउंड्री बना देने के कारण इस सड़क पर वाहनों का परिचालन बाधित था। करीब 100 फीट लंबे इस मार्ग के निर्माण में वर्षों से अड़चनें बनी हुई थीं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी होती थी। बताया जाता है कि प्रतिदिन लगभग पाँच हजार स्कूली बच्चे इसी रास्ते से गिरते–पड़ते स्कूल आते-जाते थे। कुछ माह पूर्व इस 100 फीट सड़क का पक्कीकरण तो हुआ, लेकिन बीच में लगे बिजली के पोल और निजी विरोध के चलते ढलाई अधूरी रह गई थी, जिससे चारपहिया वाहनों का आना-जाना लगभग असंभव हो गया था। तीन-चार दिन पहले एक अज्ञात वाहन की ठोकर से एक पोल क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने और पोल स्थानांतरित करने की मांग सीओ एवं विद्युत विभाग से की। अंततः विभाग ने उनकी मांग सुन ली। बिजली विभाग की टीम ने क्षतिग्रस्त पोल समेत अन्य पोलों को सड़क से हटाकर दूसरे स्थान पर गाड़ दिया। इस कार्यवाही के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और अब सड़क पर चारपहिया वाहनों का आवागमन सुचारु रूप से शुरू हो गया है।

भय मुक्त होकर करे मतदान - थानाध्यक्ष

बीएनएम @बगहाः बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर सशस्त्र सीमा बल के साथ संयुक्त रुप से बथवरिया थाने की पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाल कर मतदाताओं को शांति का संदेश दिया।फ्लैग मार्च को बथवरिया, शेरा बाजार, नवगांवा , पिपरा भठहिया समेत थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में निकाल कर लोगों से भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कर रहे बथवरिया थानाध्यक्ष अनुपम कुमार राय ने कहा कि विधानसभा चुनाव शांति पूर्ण और सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। उन्होंने थाना क्षेत्र के लोगों से विधानसभा चुनाव में आप सभी मतदाता भय मुक्त एवं निर्भिक होकर मतदान करने की अपील की। कहा कि अगर किसी व्यक्ति के द्वारा डराया या फिर धमकाया जाता है, तो इसकी सुचना तुरंत बथवरिया थाने की पुलिस को दे। ताकि ससमय वैसे लोगों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि असामाजिक तत्वों की भी पहचान पुलिस कर रही है। इस अवसर पर सब - इन्स्पेक्टर मुकेश कुमार समेत दर्जनों की संख्या में एसएसबी के जवान और बिहार पुलिस के जवान फ्लैग मार्च में शामिल रहे।

छठघाट का किया गया निरिक्षण

बीएनएम @ जमुई/झाझा। लोक आस्था का महापर्व छठपूजा को लेकर नगर क्षेत्र में पड़ने वाले सभी छठघाट पर छठव्रती व श्रद्धालुओं की व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को नगर परिषद के पदाधिकारी व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षदों ने निरीक्षण किया। ईओ डॉ. जनार्दन प्रसाद वर्मा, स्वच्छता व अवशिष्ट पदाधिकारी मोनिका कुमारी, अध्यक्ष संजय यादव, उपाध्यक्ष विपिन कुमार ने छठघाट पर सबसे पहले साफ सफाई एवं अन्य चीजों का निरीक्षण किया। इसके अलावे छठघाट के निर्माण से सम्बंधित जानकारी एक दूसरे के साझा किया। गणेशी मंदिर छठ घाट, पुरानी बाजार छठघाट, धुँआटोली छठघाट, चरघरा छठघाट सहित सभी छठघाट पर साफ सफाई से जुड़ी जानकारी देते हुए ईओ, अध्यक्ष ने बताया कि छठघाट पर जेसीबी व मजदूरों से साफ सफाई करवाया जा रहा है। इसके अलावे नदी के बीच धारा में भी छठघाट बनाया जा रहा है। आगे उन्होंने बताया कि छठघाट पर छठव्रती के कपड़ा बदलने के लिए केबिन भी बनाया जाएगा। इसके अलावे छठघाट जाने वाली मार्ग की सम्पूर्ण साफ सफाई करवाते हुए सुगम रास्ता भी बनाया जाएगा। मौके पर वार्ड पार्षद रंजन अकेला, बिट्टू राम, इतु झा, मंटु गुप्ता, संटू बरनवाल सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

प्रेक्षक की उपस्थिति में किया गया मतदान कर्मियों के द्वितीय चरण का रेंडमाइजेशन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक गण की उपस्थिति में समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त किए जाने वाले मतदान कर्मियों का आज दूसरा रेंडमाइजेशन सफलतापूर्वक कर दिया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी के द्वारा जानकारी दी गई की जिला में कुल 4095 मतदान केंद्रों के लिए कुल 18168 मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन कर दिया गया है जिनकी मतदान केंद्र पर ड्यूटी लगाई जाएगी। **आज के रेंडमाइजेशन में जिला के सभी 12 विधानसभाओं के लिए मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति विधानसभा वार कर दी गई है।** जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि रक्सौल विधानसभा के लिए 1460,सुगौली विधानसभा के लिए 1488, नरकटिया विधानसभा क्षेत्र के लिए 1584, हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के लिए 1384, गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए 1412, केसरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए 1364, कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 1324, पिपरा विधानसभा क्षेत्र के लिए 1868, मधुबन विधानसभा क्षेत्र के लिए 1388,मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के लिए 1628, चिरैया विधानसभा क्षेत्र के लिए 1584 एवं ढाका विधानसभा क्षेत्र के लिए 1688 मतदान कर्मियों को नियुक्त किया गया है। रेंडमाइजेशन के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा प्रेक्षक गण को बताया गया कि जिला के 4095 मतदान केंद्रों में 132 मतदान केंद्र वैसे होंगे जिसे केवल महिलाएं संचालित करेंगी, प्रत्येक विधानसभा में एक सहित कुल 12 मतदान केंद्र ऐसे होंगे जिसे केवल युवा वर्ग के कर्मीकरण संचालित करेंगे एवं 12 मतदान केंद्र ऐसे होंगे जिसे दिव्यांगजन कर्मियों के द्वारा संचालित किया जाएगा। इस प्रकार जिला में कुल 156 विशेष मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 1281 ऐसे मतदान केंद्र मिक्सड रूप में चिह्नित किए गए हैं जहां पर दो मतदान कर्मी पुरुष एवं दो मतदान कर्मी महिला होंगे। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मतदान को स्वच्छ निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए कुल 457 सेक्टर पदाधिकारी एवं 457 सेक्टर पुलिस पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। जिला में कुल 68 जोनल दंडकारी नियुक्त किए गए हैं इसके अतिरिक्त 27 वरीय पदाधिकारी को सुपर जोनल दंडाधिकारी बनाया गया है। 435 माइक्रो आब्जर्वर की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। रेंडमाइजेशन के समय जिला के सभी विधानसभाओं के निर्वाची पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

71 वीं वाहिनी एस.एस.बी. व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही द्वारा पकड़ा गया प्रतिबंधित मदिरा के साथ तस्कर

बीएनएम @ मोतिहारी

71 वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के कार्यक्षेत्र सीमा चौकी अठ्मोहान के द्वारा आसूचना के आधार पर झरोखर थाना के साथ पेट्रोलिंग के दौरान पेट्रोलिंग पार्टी ने भारत के अंदर सीमा स्तंभ 358/05 से लगभग 200 मीटर की दूरी पर 1040 बोतल नेपाली शराब (कस्तूरी) के साथ तस्कर को पकड़ा गया। आसूचना के आधार पर पेट्रोलिंग के दौरान पेट्रोलिंग पार्टी ने देखा की दो व्यक्ति दो मोटरसाइकिलों पर 06 प्लास्टिक बैग लिए नेपाल से भारत आ रहे थे। इसके बाद, एसएसबी और पुलिस कर्मियों को देखकर, दोनों मोटरसाइकिल सवारों ने अपनी- अपनी बाइक छोड़ दी और भागने की कोशिश की। टीम ने उनका पीछा किया और एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा नेपाल की ओर भागने में सफल रहा। प्लास्टिक बैग की तलाशी लेने पर टीम को बोरियों से 1040 बोतल नेपाली शराब (कस्तूरी) प्राप्त हुआ । पकड़े गए व्यक्ति की पहचान नाम -मुकेश गिरी, उम्र-35,पुत्र-शंकर गिरी, गाँव-रेगनिया, पोस्ट ऑफिस-बिजबनी, थाना-जितना, जिला-पूर्वी चंपारण, पिन-845303) का रहने वाला हैं जब्त 1040 बोतल नेपाली शराब (कस्तूरी) तथा दो मोटरसाइकिल और पकड़े गए व्यक्ति को प्रावधानों के अनुसार कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुलिस स्टेशन झरोखर को सौंप दिया गया है।

नौतन में जन सुराज का बिहार बदलाव रोड शो, प्रशांत किशोर, मनीष कश्यप और संतोष चौधरी ने किया जनसंपर्क

बीएनएम @ नौतन

जन सुराज सुप्रीमो एवं चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को नौतन विधानसभा क्षेत्र में बिहार बदलाव रोड शो किया। इस दौरान उनके साथ जन सुराज नेता मनीष कश्यप और पार्टी प्रत्याशी संतोष चौधरी भी मौजूद रहे। तीनों नेताओं ने जनसभा के माध्यम से लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में संतोष चौधरी के समर्थन में मतदान की अपील की। रोड शो की शुरुआत संतोष चौधरी और मनीष कश्यप ने की, जिसके बाद प्रशांत किशोर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में अब असली बदलाव की जरूरत है — ऐसा बदलाव जो भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अव्यवस्था को समाप्त करे। उन्होंने कहा, "संतोष चौधरी जैसे ईमानदार और समर्पित युवा ही इस बदलाव के प्रतीक हैं। हमें मिलकर बिहार को नई दिशा देनी होगी।" संतोष चौधरी ने अपने भाषण में कहा कि जनता का समर्थन मिलने पर वे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर प्राथमिकता से काम करेंगे। उन्होंने कहा, "यह समय है जब हम सब मिलकर बिहार को एक नई राह पर ले जा सकते हैं। नौतन की जनता बदलाव चाहती है और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जन सुराज के साथ है।" वहीं, मनीष कश्यप ने कहा कि जन सुराज आंदोलन केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि बिहार के हर नागरिक के बेहतर भविष्य की सोच है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जन सुराज को मजबूत करने की अपील की। इस दौरान रोड शो में भाजपा, राजद और अन्य दलों के समर्थक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। रैली में जन सुराज के झंडे और पोस्टर लहराते हुए लोगों ने जोरदार नारेबाजी की। कार्यक्रम के समापन पर संतोष चौधरी ने कहा, "आपका प्यार और समर्थन ही हमारी ताकत है। हम सब मिलकर बिहार को नई दिशा देंगे।"

मेहसी में तहफ़्फ़ुज़ ए ईमान कांफ्रेंस के हुआ भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी प्रखंड के दामोदरपुर गांव स्थित मदरसा फ़ातिमा तूज्जोहरा लिलबिनात के तत्वावधान में गुरुवार की रात्रि रूहानी जलसा 'तहफ़्फ़ुज़-ए-ईमान कॉन्फ्रेंस' का भव्य आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा बाहरी राज्यों से भी बड़ी संख्या में उलमा-ए-किराम,शायरे आजाम, हिफ़्ज़-ए-कुरआन करने वाले छात्र, नातख्वां शायर तथा आम मुसलमानों ने शिरकत की। पूरी रात महफ़िल नात, तकरीर और रूहानी माहौल की सरगर्मियों से गूंजती रही।

दीन की हिफाज़त और समाजी इस्लाह उद्देश्यः-

मदरसा के बानी मुफ़्ती क़ुतुबुद्दीन रिज़वी ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य दीन-ए-इस्लाम की तहफ़्फ़ुज़, इस्लाह-ए-मुआशरा और नई पीढ़ी को दीनी तालीम और सीरत की सही राह से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में बच्चों की दीनी तरबियत और नैतिक मजबूती समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

शरियत और अख़लाक पर जोरः-

कॉन्फ्रेंस की सरपरस्ती पीर-ए-तरीक़त अलहाज जियाउल मुज्तबा कामिल ने की। अपनी रौशन-ए-दिल तकरीर में उन्होंने कहा कि दीन की असल ताक़त शरियत पर अमल और उम्दा अख़लाक में है। हर मुसलमान की जिम्मेदारी है कि वह अपने घर-परिवार और समाज में दीन की सही तालीम का वातावरण कायम करे। वहीं मुफ्ती गुलाम जिलानी अजहरी ने कुरआन और हदीस की रौशनी में मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि दीन को समझकर उस पर अमल करना आज पहले से कहीं ज़्यादा जरूरी हो चुका है।" उनकी तकरीर सुनकर महफ़िल में मौजूद लोगों पर खास असर देखने को मिला। नात और शायरी ने महफ़िल को रौशन किया। शायर-ए-इस्लाम तौकीर इलाहाबादी ने अपने कलाम से महफ़िल को परवान चढ़ाया।

उन्होंने पढ़ाः

- फ़ातिमा के लालों का तज़किरा ज़रूरी है,
- गुंडागर्दी है जारी वक़्त के यज़ीदों की,
- दीन के लिए फिर से कर्बला ज़रूरी है।

उनके ये अशआर सुनते ही महफ़िल 'सब्हानअल्लाह' की सदाओं से गूंज उठी। इसके अलावा मौलाना गुलाम गौस, मौलवी क़ौसर अली, रजाउल्लाह नक़्शबंदी, मौलाना रफ़ी अंजुम मन्नानी, तौकीर रज़ा इलाहाबादी, अजमत रज़ा और रज़ा हुसैन कलकतवी समेत कई उलमा और नातख्वां शायरों ने अपने कलाम पेश कर रूहानी माहौल को चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के दौरान मदरसा से फ़ारिग़ होने वाली छात्राओं की दस्तारबंदी की गई। उलमा-ए-किराम ने उनकी इल्मी तरक्की, अमली कामयाबी और दीनी खिदमत के लिए दुआएं कीं। इस अवसर पर परिजनों और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। निजामत की जिम्मेदारी महबूब गौहर इस्लामपुरी और महबूब शबनम चम्पारणी ने निभाई। कार्यक्रम का समापन मौलाना इमरान राजा, पैकर चम्पारणी, सैयद नूर बाबू समेत अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में दुआएं और सलाम के साथ हुआ।

विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया

बीएनएम @ जमुई

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। एसपी विश्वजीत दयाल के निर्देशानुसार दिनांक गुरुवार की रात्रि में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अपराध निरोधी विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वयं एसपी ने प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर चल रही वाहन जांच का निरीक्षण किया। मौके पर अधिकारियों को उन्होंने सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने और बिना वैध कागजात के वाहनों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।सभी SST चेकपोस्ट पर भी औचक निरीक्षण किया गया, जहां वाहनों की बारीकी से जांच की गई और दस्तावेजों की सत्यता सुनिश्चित की गई। आम जनता की सुरक्षा को लेकर जमुई पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। देर रात तक मुख्य मार्गों पर सघन जांच जारी रही। पुलिस बल की मौजूदगी से शहर में सुरक्षा का माहौल सुदृढ़ महसूस किया गया।पुलिस सूत्रों के अनुसार यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा ताकि चुनावी माहौल शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बना रहे।

मनसफ़ अली हत्याकांड का हुआ सफल उद्भेदन, गिरफ्तार तीन अभियुक्त भेजे गए जेल

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मुरारपुर पंचायत के सरिसवा गांव निवासी मनसफ़ अली हत्याकांड का सफल उद्भेदन तकनीकी अनुसंधान के द्वारा एवं अन्य सदस्यों के आधार पर करते हुए इस कांड का अज्ञात शूटर को गिरफ्तारी को गिरफ्तार किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना में प्रयुक्त हथियार एवं घटना में प्रयुक्त बाइक तथा अपराधी शूटर द्वारा पहना हुआ कपड़ा भी बरामद किया गया है। वरीय पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में डीआईयू के सहयोग से यह उद्भेदन किया गया। इस उद्भेदन में अभिनंदन कुमार पिता विजय पटेल ग्राम उज्जैन लोहियार थाना हरसिद्धि, हीरो एजेंसी के मालिक आफताब आलम पिता मोहम्मद आशिक अंसारी ग्राम परशुरामपुर चौक थाना तुरकौलिया एवं शमशाद अंसारी पिता मोहम्मद आशिक अंसारी ग्राम परशुरामपुर चौक थाना तुरकौलिया को गिरफ्तार किया गया। साथ ही एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, एक बाइक तथा घटना के समय पहना हुआ शर्ट भी बरामद किया गया है। अनाध्यक्ष ने बताया कि तीनों गिरफ्तार अभियुक्त को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। उक्त छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, अंचल निरीक्षक पूर्ण काम सामर्थ, थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा में पीएसआई बृजेश कुमार पीएसआई विनीत कुमार, चिरंजीव कुमार सिपाही, पीएसआई सीमा कुमारी, एसआई अविनाश कुमार तथा संतोष कुमार सहित पुलिस बल शामिल थे।

पुलिस प्रेक्षक एवं सामान्य प्रेक्षक ने की ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की तैयारियों की समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा नियुक्त पुलिस प्रेक्षक एवं 21-ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक की अध्यक्षता में निर्वाची पदाधिकारी ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी श्री साकेत कुमार की उपस्थिति में ढाका विधानसभा क्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र की तैयारी की समीक्षा अनुमंडल सभागार ढाका में की गई। समीक्षा के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि 21-ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 335513 मतदाता है जिसमें पुरुष मतदाता की संख्या 178271 एवं महिला मतदाता की संख्या 157233 है। इसमें थर्ड जेंडर भी 09 है। उन्होंने कहा कि ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन कार्य को संपन्न कराने के लिए कुल 381 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जो 160 लोकेशंस पर स्थित है। मतदान को स्वच्छ एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने को लेकर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 43 सेक्टर पदाधिकारी एवं 43 सेक्टर पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्ति की गई है। फ्लाइंग स्क्वाड की चार टीम एवं स्टेटिक सर्विलांस की 03 टीम प्रति नियुक्त है। इसके अतिरिक्त एक एक्साइज टीम की भी प्रतिनियुक्त की गई है एवं सभी टीमों के द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं। ढाका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 13 अभ्यर्थियों के द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था जिसमें से दो अभ्यर्थियों के नामांकन को स्क्रुटनी के दौरान रद्द किया गया है एवं एक अभ्यर्थी के द्वारा अपना नाम वापस लिया गया है। वर्तमान में ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कुल 10 निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या है। ढाका विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर वेव कास्टिंग की व्यवस्था कराई जाएगी एवं सभी जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। मतदान केंद्र अधिकतम 1200 मतदाता की संख्या के आधार पर बनाए गए हैं। सभी मतदान कर्मियों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण जिला स्तर पर दे दिया गया है एवं द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के लिए आगामी 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक की तिथि निर्धारित की गई है। प्रेक्षक गण द्वारा डिस्पैच सेंटर की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि ढाका विधानसभा क्षेत्र के लिए ढाका उच्च विद्यालय में डिस्पैच सेंटर बनाया गया है वहीं पर ईवीएम प्रोटोकॉल के अनुसार ईवीएम अभिरक्षा के लिए स्ट्रांग रूम भी बनाया गया है एवं वहां पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं स्थापित कर दी गई हैं। इस अवसर पर ढाका विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी सहित अन्य सभी अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार चुनाव : शिवराज सिंह चौहान ने महागठबंधन को बताया भस्मासुर

बीएनएम @ गोपालगंज। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे और महागठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महागठबंधन को 'महाठगबंधन' और 'भस्मासुर' करार देते हुए बिहार वासियों से सतर्क रहने की अपील की।शिवराज सिंह चौहान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व ट्विटर) पर दो वीडियो शेयर किए। पहले वीडियो में उन्होंने कहा कि बैकुंठपुर में विकास की बयार है और जनता NDA और भाजपा के साथ एकजुट होकर खड़ी है। दूसरे वीडियो में उन्होंने महागठबंधन के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि यह 'भस्मासुर' है, जिससे बिहार वासियों को सावधान रहना चाहिए।इससे पहले मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि NDA के पक्ष में समर्थन की लहर चल रही है। जनता जंगलराज नहीं बल्कि मंगलराज चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बनाना चाहता है, जबकि NDA राज्य को विकास और सुशासन की दिशा में ले जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बहनें और महिलाएं एकजुट होकर NDA का समर्थन कर रही हैं।बिहार चुनाव को लेकर प्रदेश में बीजेपी नेताओं का जमावड़ा जारी है। यूपी के गोरखपुर से भाजपा सांसद और भोजपुरी स्टार रवि किशन भी पटना पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि विकास के साथ-साथ धर्म और सामाजिक मूल्यों को समझना भी जरूरी है। उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका धरातल पर कुछ नहीं है।रवि किशन ने यह भी कहा कि बिहार का ऊर्जावान विकास तभी संभव है जब केंद्र से बड़ा पैकेज आएगा। उन्होंने भविष्य की दृष्टि से कहा कि आने वाले समय में एक भव्य बिहार और ऐतिहासिक जीत की ओर NDA बढ़ रहा है।इस रैली और नेताओं के बयानों ने बिहार की सियासत में चुनावी माहौल और तेज कर दिया है। NDA के नेता लगातार महागठबंधन पर निशाना साधकर विकास और सुशासन को अपने चुनावी एजेंडे के केंद्र में रख रहे हैं।

छठपूजा को लेकर स्टेशन पर उमड़ी भीड़

बीएनएम @ जमुई/झाझा। महापर्व छठपूजा को लेकर गंगा स्नान कर घर लौटने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ डाउन दिशा में आने वाले अधिकांशता ट्रेनों में शुक्रवार को झाझा स्टेशन पर देखी गई। वही शुक्रवार की सुबह पटना जाने वाले विभिन्न ट्रेनों में भी गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ काफी देखी गई। जो लोग गंगा स्नान के लिए नही जा सके उन श्रद्धालुओं ने दूसरे गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं से गंगा जल मंगवा रहे हैं। मोकामा, हथीदाह, सुलतानगंज, बाढ़ से गंगा स्नान कर लौट रहे छठव्रती व श्रद्धालुओं ट्रेन के साधारण, स्लीपर व एसी कोच में किसी तरह सवार होकर अपने अपने घर लौट रहे। ट्रेन में गंगा स्नान कर लौट रहे लोगों की भीड़ ट्रेन के सभी कोच में खचाखच भरी आ रही है। ट्रेन में आरक्षण टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्री भी गंगा स्नान कर लौट रहे लोगों की भीड़ को देखकर अपने सीट पर सिमट कर यात्रा करते दिखाई दिया। ट्रेनों में सफर करने वाले कई यात्रियों ने बताया कि छठपूजा को लेकर अतरिक्त लोकल स्पेशल ट्रेन का परिचालन होता तो शायद इतनी भीड़ आरक्षण बोगी में नही होता। इधर दूसरी ओर झाझा स्टेशन पर भरी भीड़ वाली ट्रेन में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं , यात्रियों की सुरक्षा हेतु ट्रेन में चढ़ाने व उतारने को लेकर प्लेटफार्म पर आरपीएफ जवान भी दिखाई दिए।

सड़क दुर्घटना में बच्चा घायल

बीएनएम @ जमुई/चंद्रमंडी। थाना अंतर्गत चकाई देवघर मुख्य मार्ग माधोपुर बाजार के समीप शुक्रवार को एक पिकप भान ने सात वर्ष बच्चा को ठोकर मार दिया।जिससे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों व उसके स्वजनों ने घायल अवस्था में उठाकर घायल को इलाज के लिए निजी क्लीनिक ले जाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल बच्चा का नाम अंकुश कुमार 07 वर्ष पिता विनोद यादव साकिन घाघरा का रहनेवाला है। घटना स्थल पर चंद्रमंडी पुलिस अवर निरीक्षक संजीव कुमार पहुंच कर जांच पड़ताल कर रहे है। घटना के बाद पुलिस ने भाग रहे पिकअप को चकाई थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप के पास जब्त कर लिया गया। घायल बच्चा का हाथ व पैर पूरी तरह से जख्मी है ।

रूडी के बोलने से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बन जाएंगेः एजाज अहमद

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उनके बोलने से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कुछ नहीं कहते, तब तक भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाने जा रही है।एजाज अहमद ने तंज कसते हुए कहा, "अमित शाह ने पहले ही कह रखा है कि चुनाव नीतीश जी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला बैठक के बाद होगा। इससे साफ है कि भाजपा उन्हें 'एकनाथ शिंदे' बनाने की तैयारी में है।उन्होंने आगे कहा कि राजीव प्रताप रूडी की भाजपा में कोई हैसियत नहीं बची है। वे केवल अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाए रखने के लिए नीतीश कुमार के पक्ष में बोल रहे हैं। आरजेडी प्रवक्ता ने कहा, "सच यही है कि बिहार में जो भी फैसला होगा, वह अमित शाह के इशारे पर ही होगा, न कि रूडी के बयान से।एजाज अहमद का यह बयान बिहार में एनडीए के अंदर चल रही संभावित मुख्यमंत्री पद की खींचतान को फिर से सुर्खियों में ले आया है।

मुसलमानों की फिक्र हमें करने दीजिए, उन्हें नहीं : मुकेश सहनी

बीएनएम @ पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन के प्रमुख चेहरों में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (VIP) के प्रमुख मुकेश सहनी ने अपने नए राजनीतिक रोल में आते ही बीजेपी पर सीधा हमला बोला है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि "भाजपा को मुसलमानों की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। जब उनके अपने नेता कहते हैं कि उन्हें मुस्लिम वोट नहीं चाहिए, तो वे अपने शाहनवाज हुसैन की फिक्र करें। हमारे अल्पसंख्यक हमारे साथ हैं और पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे।"सहनी ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब बिहार में सियासी प्रचार अपने चरम पर है और महागठबंधन की ओर से उन्हें उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जा चुका है। सहनी ने कहा कि महागठबंधन पूरी एकजुटता के साथ मैदान में है और किसी तरह का अंदरूनी मतभेद नहीं है। सीटों के बंटवारे पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, "जहां भी थोड़ी बहुत असहमति है, आने वाले दिनों में एक पार्टी दूसरी पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। हमारा मकसद सत्ता नहीं, जनता के मुद्दों पर लड़ना है।"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भी सहनी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "ये लोग बिहार को हर बार झूठे वादों से गुमराह करते हैं। गुजरात में फैक्ट्रियां लगती हैं, और जब बिहार की बात आती है तो कहते हैं कि जमीन नहीं है। हमारी सरकार बनी तो उद्योग भी लगेंगे और रोजगार भी यहीं के युवाओं को मिलेगा।"मुकेश सहनी का यह बयान न सिर्फ भाजपा की चुनावी रणनीति पर हमला है।

बेकाबू हाइबा ने दो बच्चे को रौंदा ,एक की मौत

बीएनएम @ पूर्वी चंपारण

जिले के संग्रामपुर-परशुराम मुख्य पथ पर शुक्रवार को बेकाबू हाइबा ने घुसियार गांव के समीप सड़क पर पैदल चल रहे दो बच्चों को रौंद दिया, जिसमे एक बालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। एक को ग्रामीणों ने इलाज हेतु मोतिहारी भेज दिया।मृतक बालक कोइरगांवा गांव के स्वर्गीय उमेश महतो का 20 वर्षीय पुत्र सोहित महतो है। वही जख्मी ललन महतो के 12 वर्षीय पुत्र दिलखुश कुमार का इलाज मोतिहारी में चल रहा है।घटना के बाद आक्रोशितो ने सड़क जाम कर दिया, जिसकी सूचना पर थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ,दारोगा राजीव रंजन कुमार पुलिस बल के साथ पहुंच कर जांच किया। दक्षिणी मधुबनी पंचायत के मुखिया रीता देवी के प्रतिनिधि अखिलेश सिंह व थानाध्यक्ष के समझाने पर मामला शान्त हुआ। लगभग डेढ़ घण्टे जाम के बाद संग्रामपुर परशुराम पथ में आवागमन सुचारू हुआ।थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया गया। हाइबा को जब्त कर मामले की जांच की जा रही ।परिजन की ओर से आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी।

मुजफ्फरपुर में सियासी भूचालः बीजेपी विधायक ने अपने ही सांसद को बताया गद्दार

बीएनएम @ पटना

बिहार चुनाव 2025 के बीच मुजफ्फरपुर में भारतीय जनता पार्टी के भीतर बड़ा सियासी विवाद उभर आया है। औराई विधानसभा से बीजेपी विधायक रहे रामसूरत राय ने खुले मंच से अपनी ही पार्टी के सांसद और केंद्रीय मंत्री राज भूषण निषाद पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें "गद्दार" कहा है। उनके इस बयान ने जिले की राजनीति में भूचाल ला दिया है और पार्टी संगठन में भी हलचल तेज हो गई है।जानकारी के मुताबिक, इस विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने रामसूरत राय का टिकट काटकर किसी अन्य उम्मीदवार को मौका दिया था। टिकट कटने से नाराज़ समर्थकों ने कई बार विरोध दर्ज कराया था। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालने की कोशिश की और रामसूरत राय को संगठन के साथ रहने के लिए मनाया था।लेकिन अब, एक सार्वजनिक सभा में रामसूरत राय ने खुलकर अपनी नाराज़गी जाहिर की। उन्होंने कहा, "जब चुनाव था तो राज भूषण निषाद मेरे साथ गाड़ी में घूमते थे, छोटे भाई की तरह मानते थे। लेकिन जब टिकट बंटवारे की बारी आई, तो उन्होंने मेरे साथ गद्दारी की। उससे बड़ा गद्दार कोई नहीं हो सकता।"उन्होंने आगे यह भी कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में वे अजय निषाद को सांसद बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।रामसूरत राय का यह बयान न केवल स्थानीय स्तर पर बीजेपी की अंदरूनी कलह को उजागर करता है, बल्कि यह संकेत भी देता है कि टिकट बंटवारे से कई पुराने नेता असंतुष्ट हैं। ऐसे समय में जब पार्टी शीर्ष नेतृत्व बिहार में एकजुटता दिखाने की कोशिश में जुटा है, मुजफ्फरपुर की यह बयानबाजी बीजेपी के लिए नई चुनौती खड़ी कर सकती है।

महागठबंधन का बड़ा दांवः 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 रुपये में गैस सिलेंडर

» 28 अक्टूबर को जारी होगा मेनिफेस्टो

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, महागठबंधन ने अब अपना सबसे बड़ा चुनावी हथियार तैयार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, 28 अक्टूबर को पटना में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव की मौजूदगी में साझा घोषणा पत्र (Common Manifesto) जारी किया जाएगा।राजद, कांग्रेस, माले, वीआईपी और सीपीआई जैसे सभी सहयोगी दलों के बीच घोषणा पत्र को लेकर सहमति बन चुकी है। इसमें तेजस्वी यादव की प्रमुख योजनाओं—"हर घर नौकरी", "जीविका सशक्तिकरण", संविदा कर्मियों का स्थायीकरण और महिलाओं के लिए "MAA" व "BETI योजना"—को विशेष स्थान दिया गया है।कांग्रेस के सुझावों के आधार पर घोषणा पत्र में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा भी शामिल किया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और किसानों के ऋण माफी पर भी महागठबंधन फोकस करेगा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घोषणा पत्र युवा और महिला वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश है। तेजस्वी यादव लगातार रोजगार को अपनी राजनीति का केंद्र बनाए हुए हैं, और इस मेनिफेस्टो के जरिए वे "सत्ता नहीं, सिस्टम बदलने" का संदेश देना चाहते हैं।28 अक्टूबर का कार्यक्रम इसलिए भी अहम होगा क्योंकि इसी मंच से महागठबंधन अपनी एकजुटता और साझा दृष्टि दोनों को जनता के सामने पेश करेगा।

जिले में चुनावी तैयारियों को लेकर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

बीएनएम @ समस्तीपुर

बैठक करते जिला अधिकारी व अन्य अधिकारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में सभी सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने की। इसमें जिले के सभी निर्वाची पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। जिला पदाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को मतदान केंद्रों की तैयारियों, स्टाफ की ड्यूटी, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाता सुविधा से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए।विशेष रूप से सभी निर्वाची पदाधिकारी को सामान्य ऑब्जर्वर के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि प्रत्येक मतदान केंद्र पर प्रक्रिया सुचारू रूप से चले और किसी भी अनियमितता की जानकारी तुरंत जिला प्रशासन तक पहुँच सके।पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने सुरक्षा के मामलों पर विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को सतर्क रहने तथा मतदान केंद्रों पर पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी निर्वाचन पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वय बनाए रखें और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदान प्रक्रिया की हर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएँ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि यह बैठक निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता, सभी पक्षों की सहभागिता और मतदाता सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित होगा कि समस्तीपुर में आगामी विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो।बैठक के समापन पर जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों और प्रतिनिधियों से कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को समय पर और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण

एक दर्जन नशेड़ी और वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस ने छापेमारी अभियान चला कर लगभग एक दर्जन से अधिक नशेड़ी और वारंटियों को गिरफ्तार किया है। भितहा थानाध्यक्ष अभिलाष कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान नशेड़ी अजय कुमार पिता हरिपाल ग्राम पटहेरावा, पवन बैठा पिता धुरा बैठा ग्राम भुइधरावा,संदीप कुमार भारती पिता बीजाधर राम, दीपक कुमार सिंह पिता मोहन सिंह ग्राम दसाहवा, रामबली राम पिता सुदामा राम,राजकुमार निगम पिता मंगल प्रसाद, संजय पासी पिता सुरेश पासी ग्राम दुदही, राधेश्याम पासवान पिता दहारी ग्राम रामपुर, विपिन कुमार पटेल पिता दीनानाथ पटेल ग्राम ग्राम दसाहवा, टुनटुन गोंड पिता जुगुल गोंड ग्राम उलटहवा,हरकेश प्रसाद पिता बंधु प्रसाद ग्राम पड़रौन माडुरही तथावारंटी नारन्द्र राम, जनार्दन राम अनिल राम तीनो पिता भीम राम ग्राम हथुअहवा को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया।

कायस्थ युवा प्रतिभा सम्मान का आयोजन

» सांस्कृतिक कार्यक्रम में जुटे कायस्थ समाज के लोग

बीएनएम @ बगहा

युवा प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल लोग

बगहा बाजार स्थित चित्रगुप्त धाम मंदिर में कलम दवात पूजा के अवसर पर गुरुवार की संध्या मे युवा प्रतिभा, भाई भोज तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में काफी संख्या में कायस्थ समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान मंच का संचालन चित्रगुप्त पूजा समिति के सक्रिय सदस्य सुजीत वर्मा तथा अध्यक्षता रामेश्वर श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली जल बोर्ड के निदेशक दीपक श्रीवास्तव, अपर जिला न्यायाधीश जयप्रकाश वर्मा ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम की उद्घाटन रेलवे से सेवा निवृत आई ई एस अनिल कुमार वर्मा, बेतिया चित्रगुप्त धाम मंदिर के सचिव सह चंपारण कायस्थ शिरोमणि राकेश शरण श्रीवास्तव उर्फ पुन्नू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। भारी संख्या में उपस्थित कायस्थ समाज को संबोधित करते हुए अनिल वर्मा ने कहा कि सरकारी या गैर सरकारी संस्थानों में भी बदलते परिवेश में कायस्थ युवा अग्रणी है। तथा शिक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस मंच पर देखने और सम्मानित करने का मौका मिल रहा है। यह संभव चित्रगुप्त पूजा समिति के सदस्यों के चलते ही संभव हो पाया है। वही अपर जिला जज जयप्रकाश श्रीवास्तव , गांधी धाम गुजरात के चित्रांश समिति के दुर्गेश नंदन श्रीवास्तव ने भी कायस्थ युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया। तथा कायस्थ समाज को संबोधित करते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपील किया।राकेश शरण पुन्नू ने उपस्थित कायस्थ समाज को संबोधित करते हुए कहा की श्री चित्रगुप्त पूजा देश में ही नहीं पूरे विदेशों में भी होता है।इस दौरान 15 कायस्थ युवाओं तथा 20 बच्चों बच्चियों को भगवान श्री चित्रगुप्त की सुंदर तस्वीर एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। बच्चों बच्चियों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम के बाद भाई भोज का आयोजन में एक हजार से अधिक पुरुष व महिलाओं ने भाग लिया

बाहरी ताकतों से नहीं डरता बिहारः तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने सहरसा रैली में पिछड़े वर्ग का मुद्दा उठाया

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में प्रचार की गर्मी बढ़ती जा रही है। इस कड़ी में आज सहरसा में हुई राजद की रैली में महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे निशाना साधा।तेजस्वी यादव ने रैली में कहा कि महागठबंधन में पिछड़े वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री होंगे और अत्यंत पिछड़े वर्गों की आवाज़ विधानसभा और केंद्र में मजबूती से उठाएंगे। इसके साथ ही अन्य धर्मों और सामाजिक वर्गों के लिए भी उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे, ताकि बिहार की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का संतुलित प्रतिनिधित्व हो सके। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम गुजरात में उद्योग लगाते हैं और बिहार में जीत का सपना देखते हैं, लेकिन बिहार की जनता बाहरी ताकतों से डरती नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा, "हम बिहारी हैं, हम बाहरी ताकतों से नहीं डरते।उन्होंने बिहार में एनडीए के मुख्यमंत्री चेहरे पर भी संदेह जताया और पूछा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा बिहार में मुख्यमंत्री के लिए क्यों पुनः नामांकन नहीं करना चाहते। तेजस्वी ने यह भी कहा कि भाजपा के इस रवैये से राज्य के विकास और जनता के हितों की अनदेखी हो रही है, जो बिहार के लिए बहुत दुखद है।

बच्चो ने चलाया सफाई जागरूकता अभियान

बीएनएम @ जमुई/झाझा

सफाई जागरूकता अभियान में शामिल स्कूली बच्चे

बिहार के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर शुक्रवार को झाझा पब्लिक स्कूल के द्वारा एक विशेष सफाई जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसका नाम रखा गया "एक कदम हमारा, दूसरा आपका"। इस अभियान का उद्देश्य छठ पर्व की पवित्रता को बनाए रखते हुए आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखना था। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई की। यह पहल छठ पूजा की महत्ता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति बच्चों की जिम्मेदारी को भी प्रदर्शित करती है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण और गैर-शिक्षण कर्मियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम से लगभग 100 से अधिक शहरवासी भी जुड़े। झाझा थाना के अध्यक्ष संजय कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बच्चों की पहल और शिक्षा की सराहना की। वहीं अमन स्पोर्ट्स के मुकेश कुमार जैसे समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों ने भी भाग लिया और स्वच्छता का संकल्प लेते हुए कहा कि —हम सभी को अपने आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए।कार्यक्रम का संचालन अत्यंत अनुशासित और प्रेरणादायक रहा।छात्रों ने नारों और पोस्टरों के माध्यम से "स्वच्छ पर्व – पावन विचार, छठ पूजा का हो उपहार" का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ0 सुरेंद्र कुमार निराला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज कुछ सीखे या न सीखे, परंतु बच्चे पूर्ण और व्यावहारिक तौर पर शिक्षित होते हैं। ऐसी शिक्षा से बच्चों में स्वच्छता के संस्कार विकसित होते हैं, और यही आगे चलकर हमारे भारत को विदेशों की तरह 'साफ-सुथरा भारत' बनाएंगे। कार्यक्रम के संचालन स्कूल प्रिंसिपल सन्नी कुमार एवं ऑफिस इनचार्ज इरफान अख्तर और रत्ना ने किया।

अमित शाह के दबाव में चुनाव आयोग ने शुरू की सीट चोरी : राजद

» राजद ने लगाया गंभीर आरोप, मोहनिया से हुआ श्वेता सुमन का नामांकन रद्द

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब विवादों का दौर भी शुरू हो गया है। मोहनिया विधानसभा सीट से राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द होने के बाद राज्य की सियासत गरमा गई है। राजद ने इस फैसले को "लोकतंत्र की हत्या" करार देते हुए आरोप लगाया है कि गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने 'सीट चोरी' की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजद के मुताबिक, श्वेता सुमन ने 20 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल किया था, जिसे प्रारंभिक जांच के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने स्वीकार कर लिया था। लेकिन 22 अक्टूबर को दो अन्य उम्मीदवारों की आपत्तियों के आधार पर उनके जाति प्रमाण पत्र की वैधता पर सवाल उठाए गए। इसके बाद सर्किल ऑफिसर, दुर्गावती की एक विवादित रिपोर्ट के आधार पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया।पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया को "राजनीतिक साजिश" बताया है। राजद नेताओं का कहना है कि न तो उम्मीदवार को सुनवाई का मौका दिया गया और न ही जांच में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और पटना हाई कोर्ट के कई आदेशों में साफ कहा गया है कि जाति प्रमाण पत्र रद्द करने के लिए Scrutiny Committee का गठन जरूरी है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया।राजद ने इस घटना को लोकतंत्र और संस्थागत निष्पक्षता पर सीधा हमला बताया है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा, "जब नामांकन वैध दस्तावेजों के साथ स्वीकार हो चुका था, तो बाद में उसे रद्द करने का कोई संवैधानिक औचित्य नहीं है। यह कदम भाजपा के दबाव में लिया गया है ताकि विपक्षी उम्मीदवारों को मैदान से बाहर किया जा सके।"इस आरोप के बाद मोहनिया की सियासत में नया मोड़ आ गया है। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर यह विवाद आगे बढ़ता है तो यह मामला न केवल राजद बनाम बीजेपी का मुद्दा बनेगा, बल्कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

मोदी-भाजपा-संघ की यह आखिरी देन तय

सोचें, भारत में सामाजिक (हिंदू) समरसता का कौन सा मॉडल प्रदेश है? मेरा मानना है मध्य प्रदेश! और वहां अभी क्या हल्ला हुआ? भाजपा ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने के कमलनाथ सरकार के पुराने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद की है कि "कांग्रेस कई वर्षों तक सत्ता में रही लेकिन उसने किसी वर्ग के साथ न्याय नहीं किया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। हमें उम्मीद है कि अदालत मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देगी"। अर्थात भाजपा/संघ परिवार/ मोहन यादव सरकार राज्य की ओबीसी (51 प्रतिशत), अनुसूचित जाति (एससी) 15.6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1 प्रतिशत के तीनों वर्गों की राज्य में कथित 87 प्रतिशत आबादी के अनुपात में आगे आरक्षण का झुनझुना/रोडमैप सोचे हुए है। और यह सब मोदी सरकार की 11 वर्षों की राजनीति का नतीजा है। जैसे भी हो सत्ता बनाए रखने की जिद्द की इस राजनीति ने कांग्रेस और राहुल गांधी को यदि "जितनी आबादी, उतना हक़" के एजेंडे की ओर धकेला है तो सुप्रीम कोर्ट तथा जनगणना से भाजपा हिंदू समाज को आगे और बिखेरने वाली है। कैसे? मोदी सरकार 2027 में जनगणना कराएगी। अंग्रेजों की कराई 1931 की जाति जनगणना के लगभग सौ साल बाद स्वतंत्र भारत की पहली बार फिर जाति जनगणना होगी। यह जनगणना जाति के साथ उपजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े जैसे अलग-अलग समूहों के खांचों में होगी। जैसे कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार लिंगायतों को बांटने, हिंदू धर्म से उन्हें अलग करने, लिंगायत के भीतर लिंगायत बनाम वीरशैव का झगड़ा बनाने की कोशिश में है वैसे ही अगली जनगणना में पिछड़ों में अति पिछड़ों का वर्गीकरण भी बनेगा। मतलब अति पिछड़ों के वर्गीकरण में यदि हिंदू जाट की उपजातियों जैसे बैंस, भुल्लर, अटवाल आदि की आर्थिक हैसियत के आगे पिछड़े, अति पिछड़े जाट के समूह बने तो आश्चर्य नहीं होगा! क्योंकि जाति जनगणना के पीछे एकमेव मंत्र 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले हिंदुओं को इतना और बांटना है कि मोदी नए वर्ण विभाजन के फार्मूलों में योजना, स्कीम बना कर लोगों के खाते में पैसे डालने के नए फैसले ले सकें, जिससे वोट पके। मतलब ताजा बिहार मॉडल की तरह 2029 में अखिल भारतीय स्तर पर बांटो, लडाओ (जातीय पहचान-हक-आरक्षण की भूख में) के साथ स्कीमों व आरक्षण के जरिए वोट पटाने का महाअभियान! मतलब राहुल गांधी, कांग्रेस, तेजस्वी याकि जातीय-क्षेत्रिय राजनीति के धुरंधरों की पिछड़ा-दलित-आदिवासी राजनीति को जनगणना और उसके बाई प्रोडक्ट की योजनाओं-घोषणाओं-झांसों के महाप्रोपेगेंडा से खारिज करा देना। भयावह सिनेरियो है। मगर अंग्रेजों ने जैसे 1905 में बंग-भंग से बीज बो कर 1947 में हिंदू-मुस्लिम विभाजन तय कराया वैसे नरेंद्र मोदी दिल्ली के वे आखिरी हिंदू शासक संभावी हैं, जिनकी जातीय जनगणना और जातीय आरक्षण की आग में हिंदू राष्ट्रवाद वैसे ही मिट्टी में मिलेगा देने जैसे पृथ्वीराज चौहान के आखिरी शासन की आखिरी हिंदू सत्ता थी! विदेशी गुलामी से पहले की! सोचें, हिंदू मोदी राज में कैसा-क्या है? आरक्षण व्यवस्था लागू होने के 75 वर्ष बाद भारत का दलित चीफ जस्टिस, दलित आईपीएस एडीजीपी, एक दलित कांस्टेबल की हालिया प्रतिनिधि घटनाओं, व्यवहार, अनुभव से क्या यह नहीं मालूम होता कि आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह फेल है!

बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दे समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं,

मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा और इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में हाल के वर्षों में हिंसा और अस्थिरता का एक नया रूप उभरकर सामने आया है, जिसकी सबसे स्पष्ट पहचान "इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी" (आईआरए) से होती है। यह संगठन एक कट्टरवादी समूह तो है ही, अब राजनीतिक सत्ता और सामाजिक नियंत्रण का उपकरण बन चुका है। यूनुस प्रशासन के इशारे पर इसका गठन और प्रशिक्षण किया जा रहा है। वरिष्ठ सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने स्वीकार किया है कि लगभग 8,850 युवाओं को सात शिविरों में हथियार, ताइक्वांडो और सैन्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और जमात-ए-इस्लामी का समर्थन प्राप्त है। इसका उद्देश्य केवल (इस्लाम) मजहबी जागरूकता नहीं, बल्कि हिंसा, भय और गैर-मुस्लिमों पर राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करना है। आईआरए के उदय से स्पष्ट होता है कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में इस्लामिक मजहबी कट्टरता और आतंकवाद का संभावित केंद्र बनता जा रहा है। इसका निशाना विशेषकर हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय हैं। जिसकी पुष्टि "हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद" की जुलाई 2025 की रिपोर्ट करती है। इसके अनुसार पिछले 11 महीनों में लगभग 2,442 सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ हुईं, जिनमें मंदिरों को जलाना, घरों को लूटना और महिलाओं पर यौन हिंसा शामिल है। अगस्त 2024 के पहले दो हफ्तों में सत्ता परिवर्तन के दौरान पुलिस निष्क्रिय रही और भीड़ बेखौफ हुई, जिससे हमलों की संख्या चरम पर पहुंच गई। मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि हिंसा का सबसे बड़ा शिकार महिलाएँ और बच्चे हैं। "बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस" के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में यौन हिंसा के 342 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 87 प्रतिशत पीड़ित 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियाँ थीं। यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि संगठित प्रयास है, जो गैर-मुस्लिम समुदायों में भय पैदा कर उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहा है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी स्वीकार किया है कि "हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, मंदिरों को नुकसान पहुँचाया जा रहा है, और धार्मिक स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है।" यहां ये तथ्य भी गौर करने योग्य है कि 1951 में बांग्लादेश में हिंदू आबादी लगभग 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर केवल 7.95 प्रतिशत रह गई है। बौद्ध और ईसाई क्रमशः 0.6 और 0.3 प्रतिशत पर सिमट गए हैं। इसके विपरीत, भारत में मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ी और उन्हें समान नागरिक अधिकार और सामाजिक-आर्थिक अवसर मिले। यह स्पष्ट करता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को व्यवस्थित रूप से दबाया गया है और आईआरए जैसी कट्टरवादी संरचनाएँ इसका नेतृत्व कर रही हैं। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी का फोकस केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। भारतीय एजेंसियों के अनुसार, उनका असली निशाना भारत है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने घोषणा की है कि उनके पास 50 लाख युवा हैं जो "गजवा-ए-हिंद" के तहत भारत के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान और यूनुस प्रशासन के बीच समुद्री संपर्क ने हथियारों की सप्लाई आसान कर दी है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। यदि यह सिलसिला जारी रहा, तो बांग्लादेश जल्दी ही एक "फेल्ड स्टेट" बन सकता है और दक्षिण एशिया में आतंकवाद का नया अड्डा बन सकता है। यह हिंसा वैचारिक त्रासदी की ओर भी इशारा करती है। यदि इस्लाम शांति का धर्म है, तो बार-बार इसके नाम पर हिंसा, नफरत और दमन क्यों बढ़ रहे हैं? यह सवाल धर्म की आलोचना नहीं, बल्कि उस सोच की पड़ताल है जिसने धर्म को सत्ता का औजार बना दिया है। जब धार्मिक चेतना का उद्देश्य आत्मशुद्धि से हटकर राजनीतिक प्रभुत्व बन जाए, तब वह समाज और मानवता के लिए खतरा बन जाती है। बांग्लादेश में यही खतरा अब वास्तविकता बन चुका है। बुद्धिजीवी और अन्य लोग, जो इस्लाम को अहिंसक मानते हैं, उन्हें खुलकर इसका विरोध करना चाहिए। यहां आज इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी जैसी हिंसक गतिविधियाँ स्पष्ट करती हैं कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल आस्था नहीं, बल्कि सत्ता और सामाजिक नियंत्रण है। इतिहास में मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में गैर-मुस्लिमों के दमन को सत्ता संरचना का हिस्सा बनाया गया। यही प्रक्रिया अब यूनुस शासन में देखने को मिल रही है। गहराई से समझे इसे; बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह केवल धार्मिक उग्रवाद नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक विघटन और राजनीतिक इस्लाम का चरम रूप है। सत्ता पूरी तरह इस्लामिक बन चुकी है, और गैर-मुस्लिम समुदाय इसके सबसे पहले शिकार हैं। नजीह आयूबी की पुस्तक Political Islam: Religion and Politics in the Arab World इस विषय पर महत्वपूर्ण संदर्भ देती है। इसमें राजनीतिक इस्लाम के इतिहास, सिद्धांत और प्रभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। हालांकि ब्रिटानिका में भी राजनीतिक इस्लाम पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है, जो इसका इतिहास, सिद्धांत और प्रभाव समझाती हैं। इनके साथ ही इतिहासकार एवं लेखक शंकर शंरण की भी अनेक पुस्तकें एवं लेख उपलब्ध हैं, जो इस्लाम के राजनीतिक संदर्भों को समझाते हैं। वस्तुतः राजनीतिक इस्लाम एक ऐसी धार्मिक-राजनीतिक विचारधारा है जो इस्लाम को शासन और समाज की सभी गतिविधियों में केंद्रीय मानती है। यह अस्थिर सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में तेजी से प्रभावी होता है और अपने मजहबी आधार का व्यापक प्रयोग करता है। आयुबी का तर्क है कि राजनीतिक इस्लाम आधुनिक आंदोलन है, जिसकी शुरुआत पहले विश्व युद्ध के बाद हुई। इसके नेतृत्व में युवा, शिक्षित और शहरी लोग शामिल रहे हैं। मौजूदा राजनीतिक इस्लाम पहले की तुलना में अधिक मजहब आधारित है और इसका लक्ष्य शासन को (धार्मिक) मजहबी बनाना है। यह आंदोलन राज्य व्यवस्था, सामाजिक मानदंड और राजनीति के बीच नई संरचना स्थापित करने का प्रयास करता है। राजनीति को धर्म के अधीन करने के इस प्रयास ने समाज और राजनीति दोनों पर गहरा प्रभाव डाला है। कहना होगा कि जब धर्म का उपयोग सत्ता और प्रभुत्व के साधन के रूप में किया जाता है और संयम और करुणा से हट जाता है, तब यह सभ्यता की सबसे बड़ी विफलता बन जाता है। आज बांग्लादेश इसी विफलता की कहानी बनता जा रहा है। यदि इसे रोका नहीं गया तो आने वाले दशक में वहाँ से फैलने वाली नफरत की लहर पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और इस्लामिक जगत के बुद्धिजीवियों को समझना होगा कि यदि इस वैचारिक हिंसा के खिलाफ आवाज नहीं उठाई गई, तो यह आग सबकुछ जला देगी। भारत, नेपाल और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को खासकर आज अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

छठ महापर्वः प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व

छठ महापर्व (25-28 अक्तूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निःसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उन्हें दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है। 26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दुख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। 27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को

जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं। 28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्घ्य अर्पण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं। नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डु बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है। छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

मेषः आज का दिन ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। पुराने अटके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहना मिलेगी। व्यापारियों को नए सौदे या साझेदारी का अवसर मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन का तनाव दूर होगा। जल्दबाजी में कोई आर्थिक निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा पर मानसिक शांति बनाए रखें।

वृषभः आर्थिक दृष्टि से आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। कोई पुराना निवेश अब लाभ दे सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी और जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा। पेट से संबंधित दिक्कतों से बचने के लिए भोजन में सादगी रखें।

मिथुनः आज का दिन उत्साह और नई योजनाओं से भरा रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी जो आपके लिए लाभदायक रहेंगी। प्रेम जीवन में स्थिरता आएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। यात्रा के योग बन रहे हैं जो लाभकारी सिद्ध होगी।

कर्कः आज का दिन थोड़ा मिश्रित रहेगा। भावनात्मक रूप से अस्थिरता महसूस हो सकती है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में एकाग्रता बनाए रखना आवश्यक है, अन्यथा छोटी भूलें बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। पारिवारिक सलाह आपके लिए उपयोगी रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर आराम अवश्य करें।

सिंहः आज का दिन आपके लिए प्रगति और सफलता लेकर आया है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या सम्मान मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए भी आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा और किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, बस पर्याप्त आराम लें।

कन्याः आज धैर्य और संयम से काम लेना जरूरी होगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय करें। किसी अजनबी या नए व्यक्ति पर अधिक भरोसा न करें। परिवार में सहयोगपूर्ण माहौल रहेगा, पर कार्यभार के चलते थकान महसूस हो सकती है। विद्यार्थियों को ध्यान केंद्रित रखने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान उपयोगी रहेगा।

तुलाः आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। नए संपर्क बन सकते हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक रूप से स्थिति मजबूत बनी रहेगी और खर्चों में नियंत्रण रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। परिवार में किसी पुराने विवाद का समाधान संभव है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, मानसिक शांति बनाए रखें।

वृश्चिकः आज का दिन सतर्कता बरतने का है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, पर आप अपनी ईमानदारी और बुद्धिमानी से परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ पाएंगे। धन लाभ के अवसर बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में सहयोग और प्रेम बना रहेगा। सिरदर्द या थकान जैसी समस्याएँ हो सकती हैं, इसलिए पर्याप्त नींद लें।

धनुः आज आपकी योजनाएँ सफल होंगी। नए अवसर मिल सकते हैं और कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। परिवार में आनंद और उत्सव का माहौल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। यात्रा के योग शुभ हैं। सेहत में सुधार के संकेत हैं।

मकरः आज का दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कामकाज में व्यस्तता रहेगी, पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नया निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है। पारिवारिक मतभेद बातचीत से सुलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखें और खानपान पर ध्यान दें।

कुंभः आज का दिन आत्मचिंतन और भविष्य की योजनाएँ बनाने के लिए उपयुक्त है। किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले परामर्श अवश्य लें। कार्यस्थल पर सहयोगियों से तालमेल बनाए रखना आवश्यक है। आर्थिक रूप से स्थिति सामान्य रहेगी, पर अचानक खर्च संभव हैं। परिवार में स्नेह और सामंजस्य बढ़ेगा। ध्यान या संगीत से मानसिक शांति मिलेगी।

मीनः आज का दिन सकारात्मकता से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में प्रेम और सहयोग बना रहा। विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और सेहत उत्तम रहेगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा वनडे जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

एडिलेड में दूसरे वनडे में दो विकेट से जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला पर कब्जा कर लिया है। अब रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाला तीसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के लिए औपचारिकता मात्र रह गया है, जबकि भारत यह मैच जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा। भारत ने भले ही दूसरे मैच में आखिरी तक संघर्ष किया, लेकिन मैच के ज्यादातर हिस्से में टीम पिछड़ी रही। पर्थ में बारिश से प्रभावित पहले मुकाबले का बहाना दिया जा सकता है, लेकिन एडिलेड में भारत पूरी तरह असंतुलित नजर आया। कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली के जल्दी आउट होने से टीम उबर नहीं सकी। खास बात यह रही कि कोहली ने अपने शानदार वनडे करियर में पहली बार लगातार दो 'डक' (शून्य पर आउट) झेले हैं। भारतीय शीर्ष क्रम को जोश हेजलवुड ने दोनों मैचों में खासा परेशान किया है। वहीं, रोहित शर्मा की वापसी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही, हालांकि उन्होंने एडिलेड में 73 रन की पारी खेली। अब यह बहस तेज हो गई है कि यशस्वी जायसवाल को मौका देकर शीर्ष क्रम को नया रूप दिया जाए। हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम का संतुलन बिगड़ा दिखा और गिल ने लगातार दोनों मैचों में एक ही संयोजन के साथ उतरने का फैसला किया, जो बेअसर रहा। कप्तान के रूप में गिल का शुरुआती दौर आसान नहीं रहा है। उन्होंने अब तक 10 और 9 रन बनाए हैं और अगर भारत इस मैच को भी हार जाता है तो यह टीम के इतिहास में सिर्फ छठी बार वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप होगा। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया का आत्मविश्वास चरम पर है। टीम को मैट शॉर्ट, कूपर कॉनॉली, मिच ओवेन और मैथ्यू रेंसॉ जैसे नए खिलाड़ियों से शानदार योगदान मिला है। ये खिलाड़ी स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की वनडे से संन्यास के बाद खाली हुई जगहों को भरने में सक्षम साबित हो रहे हैं। मैट रेनसॉ ने पर्थ में 21 नाबाद (24 गेंदों पर) और एडिलेड में 30 रन (30 गेंदों पर) बनाए। एडिलेड में जब टीम 54/2 पर संकट में थी, तब उन्होंने शॉर्ट के साथ 55 रन की साझेदारी कर मैच की दिशा बदल दी। उनके सिडनी में भी खेलने की पूरी संभावना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम प्रबंधन अब यह ऐतिहासिक मौका भुनाना चाहेगी क्योंकि उसने कभी भी भारत को किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 3-0 से नहीं हराया है। संभावना है कि ऑस्ट्रेलिया अपने प्रमुख तेज गेंदबाज हेजलवुड और मिचेल स्टार्क को आराम दे, जबकि नाथन एलिस और जैक एडवर्ड्स को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर, भारत कुछ बदलावों के साथ उतर सकता है। चर्चाएं हैं कि कुलदीप यादव को मौका दिया जाए ताकि गेंदबाजी आक्रमण में धार लाई जा सके। वाशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट तो लिए हैं लेकिन बल्ले से असफल रहे हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को हर्षित राणा की जगह शामिल किया जा सकता है। साथ ही यशस्वी जायसवाल को भी खेलने का मौका मिल सकता है।

संभावित टीमें:

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैट शॉर्ट, मैथ्यू रेंसॉ, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, मिच ओवेन, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क/जैक एडवर्ड्स, एडम जाम्पा, नाथन एलिस/जोश हेजलवुड।

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नितीश रेड्डी, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

भारत के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए एडवर्ड्स ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल, बियर्डमैन टी20 स्क्वाड में, मैक्सवेल की वापसी

एजेंसी, सिडनी

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। उन्हें भारत के खिलाफ होने वाले अंतिम वनडे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। वहीं ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वार्शुइस चोट से उबरकर आगामी टी20 शृंखला के अंतिम मुकाबलों में वापसी करेंगे। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को भी भारत के खिलाफ टी20 टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी20 दोनों टीमों में कई बदलावों की घोषणा की। मार्नस लाबुशेन को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे आने वाले शेफील्ड शील्ड मैच में क्वींसलैंड की ओर से न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ खेल सकें। जोश हेजलवुड और सीन एबॉट टी20 शृंखला के अंतिम मुकाबले नहीं खेलेंगे, क्योंकि दोनों आगामी शील्ड मैच के लिए अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे। हेजलवुड केवल शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे टी20 के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे। मैथ्यू कूहनेमन, जिन्होंने पहले वनडे में खेला था, उन्हें तीसरे वनडे के लिए फिर से टीम में बुलाया गया है। इसी तरह जॉश फिलिप को टी20 टीम में बैकअप विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है क्योंकि जॉश इंग्लिस अभी भी पिंडली की चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं। ग्लेन मैक्सवेल, जो पिछले महीने न्यूजीलैंड में अभ्यास सत्र के दौरान कलाई में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती दो टी20 से बाहर थे, अब अंतिम तीन मैचों में टीम से जुड़ेंगे। वहीं बेन ड्वार्शुइस, जो पिंडली की चोट के कारण वनडे और शुरुआती तीन टी20 से बाहर थे, अब चौथे और पांचवें टी20 के लिए टीम में लौटेंगे। 20 वर्षीय महली बियर्डमैन को टी20 शृंखला के अंतिम तीन मैचों के लिए मौका दिया गया है। यह युवा तेज गेंदबाज 2024 में इंग्लैंड दौरे के दौरान चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में शामिल हुआ था। हाल ही में वह पर्थ स्कॉर्चर्स और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं — उन्होंने अपने चार लिस्ट-ए मैचों में 12 विकेट 17.75 की औसत से लिए हैं। जैक एडवर्ड्स का चयन उनकी हालिया शानदार फॉर्म के चलते हुआ है। उन्होंने भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया — लखनऊ में 88 रन की पारी खेलने के साथ-साथ कानपुर में 4/56 और 89 रन की पारी खेली। उनकी मौजूदगी से ऑस्ट्रेलिया तीसरे वनडे में एक ऑलराउंडर-प्रधान संयोजन आजमा सकता है और तेज गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प भी मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम (तीसरा वनडे बनाम भारत, सिडनी):

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कूनेमन, मिचेल ओवेन, जॉश फिलिप (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम (भारत बनाम श्रृंखला):

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट (केवल पहले तीन मैच), जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन (केवल अंतिम तीन मैच), टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस (केवल अंतिम दो मैच), नाथन एलिस, जोश हेजलवुड (केवल पहले दो मैच), ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कूनेमन, मिचेल ओवेन, जॉश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एडम जम्पा।

महिला विश्वकप 2025 : न्यूज़ीलैंड को हराकर भारत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, मंधाना-प्रतिका की पारियों ने लूटी महफिल

एजेंसी, मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम, मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में डीएलएस पद्धति के तहत विरोधी टीम को 53 रनों से हराया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने तीन विकेट खोकर 49 ओवरों में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर स्मृति मंधाना ने 95 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 134 गेंदों में 13 चौके और 2 छक्कों की मदद से 122 रन का शानदार योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 212 रनों की भारी साझेदारी कर टीम को बड़े टोटल तक पहुंचाया। जवाब में न्यूजीलैंड को निर्धारित 44 ओवरों में 325 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। टीम 271 रन ही बना पाई। ब्रूक हॉलिडे ने 81 रन और इसाबेल गेज ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत की ओर से रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि स्नेह राणा, श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और प्रतिका रावल ने एक-एक सफलता हासिल की।

जडेजा सौराष्ट्र की टीम से रणजी ट्रॉफी खेलेंगे

एजेंसी, मुंबई

भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में सौराष्ट्र की टीम से खेलेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने भी जडेजा के खेलने की बात कही है। रणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर 25 अक्टूबर से राजकोट में शुरू होगा। जडेजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली। जिसके बाद उनके पास रणजी खेलने का ही विकल्प था। इसी कारण उन्होंने प्रथम श्रेणी मैच के लिए अपने को उपलब्ध बताया है जिससे वह अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपने को तैयार कर सकें। उन्हें इससे अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अगले माह दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। जडेजा ने अंतिम बार पिछले सीजन में असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। उन्होंने उस सत्र में दो मैच खेले थे और दिल्ली के खिलाफ अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड जीता था। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए कुल 47 रणजी मैचों में 57.60 की औसत से 3,456 रन बनाए हैं और 21.25 की औसत से 208 विकेट लिए हैं। सत्र के अपने पहले मैच में सौराष्ट्र ने कर्नाटक को पहली पारी में हराया था

वियना ओपन 2025: सिनर ने कोबोली को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी, वियना

शीर्ष वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अपने ही हमवतन फ्लावियो को बोली को हराकर वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में सिनर ने कोबोली को 6-2, 7-6(4) से मात दी। पहले सेट में सिनर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 6-2 से आसानी से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे सेट में कोबोली ने कड़ा मुकाबला दिया। हालांकि टाई-ब्रेक में सिनर ने बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर इस टूर्नामेंट में तब लौटे हैं जब उन्होंने शंघाई मास्टर्स में थकान और ऐंठन के कारण तीसरे दौर का मैच बीच में छोड़ दिया था। सिनर ने पहले सेट में एक भी ब्रेक प्वॉइंट का सामना नहीं किया, लेकिन दूसरे सेट में मिले चार ब्रेक मौके का फायदा नहीं उठा पाए। मैच के बाद उन्होंने कहा, "फ्लावियो शानदार टैलेंट और बेहतरीन प्रतियोगी हैं। हमने कई बेहतरीन रैलियां खेलीं। दूसरे सेट में मुझे मौके मिले लेकिन मैं उन्हें भुना नहीं सका, यही टेनिस है। मैंने सकारात्मक मानसिकता बनाए रखी और आज के खेल से खुश हूं।" क्वार्टर फाइनल में अब सिनर का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त कजाख खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-4, 6-2 से हराया। वहीं, दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला टालोन ग्रिकसपोर से होगा। इस बीच, फ्रांस के कोरेंटिन माउटे ने रूस के दानिल मेदवेदेव से पिछली हार का बदला चुकता किया। पिछले रविवार को अल्माटी फाइनल में मेदवेदेव ने माउटे को हराया था, लेकिन इस बार माउटे ने शानदार वापसी करते हुए 7-6(7/3), 6-4 से जीत दर्ज की।

व्यापार

शेयर बाजार में 6 दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, मजबूत शुरुआत के बाद गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स, निफ्टी

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में पिछले 6 कारोबारी दिनों से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई, लेकिन ये तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं सकी। इसके बाद पूरे दिन बाजार में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर एफएमसीजी, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी, ऑटोमोबाइल और हेल्थकेयर इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार

में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 468.97 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.30 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,865 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,312 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,814 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 998 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,816 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 110.83 अंक की मजबूती के साथ 84,667.23 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 151.04 अंक की तेजी के साथ 84,707.44 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 750.29 अंक टूट कर 599.25 अंक की कमजोरी के साथ 83,957.15 अंक के स्तर तक गिर गया।

रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी ने तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.78 पर खुला। फिर मामूली गिरावट के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.01 पर आ गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, लगातार पांचवें दिन सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट का रुख जारी है। सोने की कीमत में आज लगातार पांचवें दिन गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 810 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। वहीं, चांदी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमतों में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,070 रुपये से लेकर 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,640 रुपये से लेकर 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज

1,58,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,220 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेजन में होगी कर्मचारियों की छंटनी!, 6 लाख रोबोट लगाने की तैयारी में कंपनी; रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी नियोक्ता कंपनी अमेजन अपने लगभग छह लाख कर्मचारियों के स्थान पर रोबोट लगाने की तैयारी कर रही है। पिछले दो दशकों में अमेजन ने लाखों गोदाम कर्मचारियों की भर्ती की है, अनुबंधित ड्राइवरों का बड़ा नेटवर्क तैयार किया है और नियुक्ति, निगरानी व प्रबंधन के लिए उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया है। अब कंपनी अपने कार्यस्थलों पर बड़े बदलाव की दिशा में कदम बढ़ा रही है। अमेजन के आंतरिक दस्तावेजों और अधिकारियों से हुई बातचीत से पता चला है कि कंपनी का अगला लक्ष्य कर्मचारियों के स्थान पर रोबोटिक सिस्टम लागू करना है। वर्ष 2018 के बाद से अमेजन के अमेरिकी कर्मचारियों की संख्या तीन गुना से अधिक बढ़कर लगभग 12 लाख हो गई है। लेकिन कंपनी की ऑटोमेशन टीम का अनुमान है कि 2027 तक अमेजन 1.6 लाख नई भर्तियों से बच सकती

है, जिससे प्रत्येक डिलीवरी आइटम पर करीब 30 सेंट की बचत होगी।

छह लाख नौकरियों पर खतरा- अमेजन के अधिकारियों ने बोर्ड के समक्ष यह अनुमान जताया है कि रोबोटिक ऑटोमेशन के जरिये कंपनी आने वाले वर्षों में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने से बच पाएगी और 2033 तक दोगुने उत्पाद बेचने का लक्ष्य हासिल करेगी। इसका अर्थ है कि कंपनी को लगभग छह लाख नए कर्मचारियों की जरूरत नहीं पड़ेगी। दस्तावेजों के अनुसार, अमेजन की रोबोटिक्स टीम का अंतिम लक्ष्य अपने 75 प्रतिशत कार्यों को स्वचालित (ऑटोमेट) करना है।

भारत और जर्मनी ने व्यापार व निवेश में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की

नई दिल्ली/बर्लिन। भारत और जर्मनी ने गुरुवार को व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और कौशल जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और जर्मनी की संघीय अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीच के बीच यह बातचीत हुई। वाणिज्य मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि बर्लिन में हुई बैठक के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और जर्मनी की संघीय अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीच के बीच बर्लिन में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया, ''चर्चा व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और कौशल विकास में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी।'' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि जर्मन अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री सुश्री कैथरीना रीचे से मुलाकात हुई। वाणिज्य मंत्री ने इस मुलाकात को भारत-जर्मनी साझेदारी को मजबूत करना बताया है। गोयल ने इसके अलावा संघीय चांसलरी में आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जर्मनी के जी7 एवं जी20 शेरपा डॉ. लेविन होले से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़

बनाने के तरीकों पर चर्चा की। गोयल ने कहा कि संघीय चांसलर के आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार और जर्मनी के जी-7 एवं जी-20 शेरपा, महामहिम डॉ. लेविन होले से मिलकर बहुत खुशी हुई है। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान प्रमुख क्षेत्रों में भारत-जर्मनी सहयोग को और मजबूत बनाने के अवसरों पर चर्चा हुई। गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर भी हमारी सकारात्मक चर्चा हुई। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रों की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी मज़बूत करने के लिए जर्मनी की आधिकारी दौरे पर हैं। भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ को देखते हुए उनकी ये यात्रा जर्मनी के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

कॉमेडी का डबल डोज ,किस किस को प्यार करूं-2 अब इस दिन होगी रिलीज

अभिनेता कपिल शर्मा एक बार फिर फिल्म कॉमेडी 'किस किस को करूं' के सीक्वल के साथ हंसी का डबल डोज लेकर आ रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ मोशन पोस्टर जारी किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "तैयार हो जाइए दोगुनी मस्ती और चार गुनी हंसी के लिए। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' हंसी का डबल डोज लेकर 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।" रिलीज डेट की जानकारी सुन फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वह मोशन पोस्टर देख ये अंदाजा लगा रहे हैं कि कपिल शर्मा फिर से नई अभिनेत्रियों के साथ उलझन भरी जिंदगी और साथ ही कॉमेडी का तड़का लेकर आएंगे। फैंस अब फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हंसी से भरपूर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन और लेखन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है। फिल्म में कपिल शर्मा के साथ हीरा वारिना, पारुल गुलाटी, आयशा खान और त्रिशा चौधरी नजर आएंगी। साथ ही, कॉमेडी का तड़का लगाने के लिए मनजोत सिद्धू भी अहम किरदार में दिखेंगे। फिल्म का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन, अब्बास-मस्तान और वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। कॉमेडी फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के साथ कपिल ने फिल्मों में डेब्यू किया था। फिल्म का निर्देशन अब्बास-मस्तान और लेखन अनुकल्प गोस्वामी ने किया था। फिल्म की कहानी एक ऐसे आदमी की थी, जिसकी तीन पत्नियां होती हैं और तीनों सहेलियां होती हैं, लेकिन कपिल शर्मा को चौथी शख्स एली अवराम से प्यार हो जाता है। फिल्म में अरबाज ने भी छोटा-सा रोल अदा किया था। फिल्म में कपिल के अलावा, एक्ट्रेस एली अवराम, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, साई लोकुर और वरुण शर्मा भी थे। इसी के साथ ही कपिल अपकमिंग फिल्म में नीतू और रिद्धिमा साहनी के साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि फिल्म के टाइटल के नाम घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन अस्थायी नाम डीएसके रखा गया है।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

रिलीज हुआ एक कुड़ी का ट्रेलर

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वालीं अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एक कुड़ी लेकर आ गई हैं। एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर-भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म एक कुड़ी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज़ कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतज़ार रहेगा।" एक अन्य यूजर ने लिखा, "गजब, क्या ट्रेलर हैज् सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं।" बता दें कि फिल्म के गाने ट्रेलर रिलीज से पहले ही रिलीज कर दिए गए हैं। फिल्म में एक गाना शहनाज ने पंजाबी सिंगर यो-यो हनी सिंह के साथ भी फिल्माया है, जिसे फैंस का बंपर रिस्पांस मिला है। फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। हिना खान ने फिल्म का ट्रेलर शेयर कर फैंस से इसे देखने की अपील की है। उन्होंने शहनाज की फिल्म और एक्टिंग दोनों की तारीफ की है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो फिल्म में पंजाब इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों को देखा गया है। फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, सुखी चहल, गुरिंदर मकना, जस, उदयबीर संधू, गुरदयाल पारस, जस ढिल्लों, विशु उप्पल और गुरप्रीत सिंह कई स्टार्स मौजूद हैं। फिल्म को प्रोड्यूस कौशल जोशी, शहनाज गिल और अमरजीत सिंह सरोन ने किया है और फिल्म को अमरजीत सिंह सरोन ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

'धूम 4' से अलग हुए अयान मुखर्जी, फैंस में निराशा

निर्देशक अयान मुखर्जी ने फिल्म 'वॉर 2' की असफलता के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म 'धूम 4' के निर्देशन से खुद को अलग कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अयान ने निर्माता आदित्य चोपड़ा के साथ हुई एक निजी बैठक में इस परियोजना को लेकर अपनी शंकाएं जाहिर कीं। उनका मानना है कि 'वॉर 2' और 'धूम 4' जैसी हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्में उनके फिल्ममेकिंग स्टाइल के अनुरूप नहीं हैं, और वे भविष्य में रोमांस और ड्रामा जैसी भावनात्मक कहानियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार अयान मुखर्जी बस श्रीधर राघवन द्वारा लिखी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे, लेकिन कहानी और स्क्रीनप्ले पर उनका ज्यादा हस्तक्षेप नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है, "अयान केवल लिखित स्क्रिप्ट को पर्दे पर उतारने वाले फिल्ममेकर नहीं हैं। वे एक जुनूनी निर्देशक हैं, जो लिखी हुई कहानी से आगे बढ़कर उसे अपने दृष्टिकोण से जीवंत बनाना पसंद करते हैं। यही वजह है कि उन्होंने 'धूम 4' से अलग होने का फैसला लिया।" अयान का यह फैसला आदित्य चोपड़ा और रणबीर कपूर के साथ चर्चा के बाद लिया गया। दोनों ने अयान के नज़रिए को समझते हुए उनके निर्णय का समर्थन किया। अब अयान पूरी तरह से अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'ब्रह्मास्त्र 2' की तैयारियों में जुट गए हैं। फिल्म की स्क्रिप्टिंग पूरी हो चुकी है, और शूटिंग 2026 में शुरू होने की संभावना है। वहीं, दूसरी ओर आदित्य चोपड़ा अब 'धूम 4' के लिए एक नए निर्देशक की तलाश में हैं, जो इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज़ी को अगले स्तर तक ले जा सके।

प्रभास - वो शर्मीला लड़का, जिसने 'बाहुबली' बनने के लिए करोड़ों रुपए ठुकराए

भारतीय सिनेमा के लिए वह एक युग-निर्माता हैं। 'बाहुबली' के रूप में एक ऐसा चेहरा, जिसने दक्षिण के सिनेमा को विश्व पटल पर स्थापित कर दिया। लेकिन पर्दे पर अपने विशालकाय और निर्भीक किरदारों के विपरीत, अभिनेता प्रभास निजी जीवन में बेहद शर्मीले और शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं। 23 अक्टूबर 1979 को जन्मे प्रभास भारतीय सिनेमा के उन चंद सितारों में से एक हैं, जिन्होंने पर्दे पर शाही गरिमा और सहज विनम्रता दोनों को एक साथ जीवंत किया है। तेलुगु सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाले प्रभास ने 'वरशम, 'छत्रपति, और 'मिर्ची जैसी फिल्मों से लोकप्रियता हासिल की, लेकिन एस.एस. राजामौली की 'बाहुबली सीरीज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी शांत स्वभाव, मेहनत और भूमिकाओं में पूर्ण समर्पण ने उन्हें साउथ से लेकर बॉलीवुड तक का प्रिय स्टार बना दिया है। प्रभास न केवल एक अभिनेता हैं, बल्कि अपनी सादगी भरे व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली से लाखों लोगों के प्रेरणास्रोत भी हैं। वह भारतीय सिनेमा के सबसे अधिक कमाई करने वाले अभिनेताओं में से एक हैं। उन्हें 2015 की फोर्ब्स इंडिया की सेलिब्रिटी 100 सूची में शामिल किया गया था। लोग उन्हें 'रिबेल स्टार' के नाम से भी बुलाते हैं। प्रभास ने सात फिल्मफेयर पुरस्कारों के लिए नामांकन, एक नंदी पुरस्कार और एक सिम्मा पुरस्कार हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनकी स्टारडम की यात्रा

सिर्फ ब्लॉकबस्टर फिल्मों की नहीं, बल्कि एक ऐसे अनोखे समर्पण की कहानी है, जिसने उन्हें दौलत के लालच से ऊपर उठकर एक निर्देशक के विजन के लिए अपने करियर के करोड़ों रुपए दांव पर लगाने को प्रेरित किया। इससे जुड़ा एक किस्सा है, जिसका जिक्र कई इंटरव्यू में मिलता है। बात 2013 की है जब मशहूर निर्देशक एस.एस. राजामौली ने प्रभास को अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'बाहुबली: द बिगनिंग' के लिए चुना। यह केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक 'लाइफ कमिटमेंट' था। राजामौली ने साफ कर दिया था कि यह प्रोजेक्ट कम से कम पांच साल लेगा और प्रभास को इस दौरान किसी और फिल्म को साइन नहीं करना होगा। प्रभास, जो उस समय तेलुगु सिनेमा के एक मशहूर और बिजी स्टार थे, उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के इस शर्त को स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपने करियर के बेहतरीन पांच साल, किसी और फिल्म को हाथ लगाए बिना, पूरी तरह से 'बाहुबली' के नाम कर दिए। प्रभास का सबसे बड़ा त्याग केवल फिल्में न करना नहीं था, बल्कि वह निर्णय था जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। 'बाहुबली' की शूटिंग के दौरान, उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स से कई विज्ञापन करने के प्रस्ताव मिले। ये डील्स 8 से 10 करोड़ रुपए की मोटी रकम की थीं। प्रभास ने उन सभी विज्ञापनों को सीधे तौर पर ठुकरा दिया। उनका तर्क सरल और मजबूत था, अगर वह विज्ञापन करते हैं, तो उन्हें 'बाहुबली' के किरदार के लिए आवश्यक लुक और फिजिक को बदलना पड़ेगा। वह नहीं चाहते थे कि कोई भी बाहरी प्रतिबद्धता उनके ध्यान को भटकाए या निर्देशक के विजन से समझौता करे। इस फैसले से उन्हें अपने करियर के पीक टाइम में करोड़ों रुपए का सीधा नुकसान हुआ। वहीं, 'बाहुबली 2: द कन्क्लूज़न की शूटिंग पूरी होने के बाद निर्देशक एस.एस. राजामौली प्रभास के घर गए। वह प्रभास के इस अद्वितीय त्याग से गहरे प्रभावित थे। राजामौली ने प्रभास को एक लिफाफा सौंपा। जब प्रभास ने उसे खोला, तो उसमें एक 10 करोड़ रुपए का चेक था। राजामौली ने उनसे कहा कि यह रकम उनके बाहुबली के लिए मेहनताना नहीं, बल्कि उन करोड़ों के विज्ञापन की भरपाई है, जो उन्होंने उनके विजन को पूरा करने के लिए ठुकराए थे। यह उनका हक था। प्रभास ने अपने विनम्र स्वभाव के अनुरूप, उस पैसे को लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने राजामौली से कहा कि उन्होंने यह फिल्म पैसे के लिए नहीं, बल्कि उस महान अनुभव और उनके साथ काम करने के सम्मान के लिए की है। उनके लिए राजामौली का विश्वास ही सबसे बड़ा पुरस्कार था। राजामौली, प्रभास के इस समर्पण और सादगी से अभिभूत थे। बहुत समझाने के बाद ही प्रभास ने वह राशि स्वीकार की। यह घटना दर्शाती है कि प्रभास केवल एक स्टार नहीं हैं, बल्कि एक सच्चे कलाकार हैं जिन्होंने फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से अधिक अपनी कला और अपने निर्देशक के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को महत्व दिया।

डबिंग पूरी हुई : मेगास्टार अनिल कपूर सूबेदार के किरदार में पूरी तरह डूबे

मेगास्टार अनिल कपूर ने सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित अपनी आगामी एक्शन-ड्रामा फिल्म सूबेदार की डबिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है। निर्देशक द्वारा साझा की गई एक दमदार बिहाइंड-द-सीन्स पोस्ट के साथ इस घोषणा ने प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, जिससे साल की सबसे चर्चित थिएटर रिलीज़ में से एक की ओर एक और कदम बढ़ गया है। सुरेश त्रिवेणी ने डबिंग स्टूडियो से अनिल कपूर और अभिनेता सौरभ शुक्ला की एक प्रभावशाली तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों अपने काम में पूरी तरह डूबे नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर फिल्म के कच्चे एहसास और गहराई भरी भावनाओं को शानदार ढंग से दर्शाती है। 'सूबेदार का मूड इस तस्वीर में बखूबी झलकता है — एक सख्त, यथार्थ से जुड़ी और भावनाओं से भरपूर कहानी। भारत के हृदय प्रदेश में आधारित यह

फिल्म अर्जुन सिंह की कहानी है — एक पूर्व सैनिक, जो अपने अतीत और बेटी के साथ टूटे रिश्ते की यादों से जूझते हुए नागरिक जीवन की जटिलताओं का सामना करता है। भीतर और बाहर दोनों तरह की लड़ाइयों से गुजरते हुए, यह फिल्म कर्तव्य, हानि और मुक्ति के विषयों को उजागर करती है। हाल ही में अनिल कपूर ने डबिंग बूथ से एक शक्तिशाली पल साझा किया, जिसमें वे एक डायलॉग बोलते नजर आए — गौर से सुनो!! सूबेदार बोल रहे हैं।यह संवाद सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुका है। थिएटर रिलीज़ के लिए तैयार 'सूबेदार एक ऐसी फिल्म होने का वादा करती है, जिसमें भावनाएँ, एक्शन और मनोवैज्ञानिक गहराई का एक अनूठा संगम है—एक ऐसी दुनिया जहाँ ताकत और कमज़ोरी का मिलन होता है। अनिल कपूर के लिए, यह एक और साहसी किरदार है, जिसमें शारीरिक ताकत के साथ-साथ भावनात्मक सूक्ष्मता दोनों की माँग करता है।

संगीत की दुनिया में फिर छाए दिलजीत दोसांझ, 'चार्मर' से लौटाया जादू

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और गायक दिलजीत दोसांझ का नया गाना 'चार्मर' रिलीज हो चुका है, जो दोसांझ के ताजा एलबम 'ऑरा' का हिस्सा है। गाने के रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। सान्या के डांस मूव्स और स्टाइलिश लुक ने नेटिज़न्स का ध्यान खींच लिया है, वहीं दिलजीत का स्वैग हमेशा की तरह दर्शकों को पसंद आ रहा है। इस म्यूजिक वीडियो में सान्या का बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है। दर्शक उनके डांस स्टेप्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। 'चार्मर' को राज रंजोध ने लिखा और संगीतबद्ध

किया है, जबकि इसे दिलजीत दोसांझ ने अपनी आवाज़ दी है। वीडियो का निर्माण एवी स्रा ने किया है। दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने नए एलबम 'ऑरा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। इससे पहले 15 अक्टूबर को रिलीज हुए गाने 'हीरे कुफर करें' में मानुषी छिल्लर ने अपने सिज़लिंग मूव्स से सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया था। अब 20 अक्टूबर को रिलीज हुए 'चार्मर' में सान्या मल्होत्रा ने उसी ऊंचे स्तर को और आगे बढ़ा दिया है। वहीं, फिल्मों की बात करें तो सान्या मल्होत्रा को हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन, रोहित सराफ और जान्हवी कपूर के साथ देखा गया था। अब वह निर्देशक अनुराग कश्यप की आगामी फिल्म 'बंदर' में नजर आने वाली हैं।

Fire breaks out in moving bus in Andhra Pradesh, 20 burned alive

A bike collided with the bus's fuel tank, causing the fire; 40 passengers were aboard

Kurnool,Agency: A private bus caught fire near Chinnatekur in Kurnool, Andhra Pradesh. According to news agency ANI, 20 passengers were burned alive in the accident. Some media reports put the figure at 25. The incident occurred around 3:30 am on Friday. The death toll may rise.

The bus, traveling from Hyderabad to Bengaluru, collided with a bike on NH-44. The bike went under the bus and hit the fuel tank, causing the bus to immediately catch fire. The rider, Shivshankar, also died in the accident.

There were approximately 40 passengers on the bus. Many of them were burned. Nineteen escaped by jumping out. Those who escaped by breaking the emergency gate were severely burned and have been admitted to the Kurnool Government Hospital.

Police say many bodies have been completely burnt, making it difficult to identify them.

There was a fire, a short circuit and the door would not open.

Kurnool Range DIG Koya Praveen told news agency PTI that 21 passengers, including two children, escaped unhurt. The driver and cleaner's whereabouts were unknown. Most of the passengers were

between 25 and 35 years old. The passengers were asleep at the time of the accident, preventing them from escaping. Following the fire, a short circuit occurred in the bus, which jammed the door.

Collector issued helpline numbers

Kurnool Collector Dr. A. Siri arrived at the scene after the accident and stated that helpline numbers have been issued. These include the Collectorate Control Room 08518-277305, Government Hospital Kurnool 9121101059, the Spot Control Room 9121101061, the Kurnool Police Control Room 9121101075, and the GGH Help Desk 9494609814 and 9052951010.

PM Modi wrote on X: "The Kurnool accident is tragic. My condolences are with the families of the deceased." The PMO announced a compensation of ?2 lakh for the families of the deceased and ?50,000 for the injured. 22 passengers were burnt alive in Rajasthan 10 days ago. A similar accident occurred on October 14th at 3:30 pm on the Jaisalmer-Jodhpur Highway in Jaisalmer, Rajasthan, when a moving AC sleeper bus caught fire. In this accident, 22 passengers were burned to death.

The bus gate was locked due to the fire, preventing people from getting out. People broke the glass and jumped out, pleading for help. The army used a JCB to break the bus gate and rescue the people.

The bus that met with the accident on the Jaisalmer route had a fiberglass body and curtains. Consequently, the fire spread rapidly. The bus's windows were made of glass. As soon as the bus's wiring caught fire, its doors locked. The sudden spread of the fire prevented passengers from escaping. The driver and conductor were the first to break open the door.

Appointment of temple priests based on caste or lineage is not mandatory

Kerala HC says qualification and training must be considered

Kochi, Agency: The Kerala High Court on Thursday said that the appointment of priests in temples cannot be based on caste or lineage. Doing so cannot be considered an essential religious practice. It must be based on merit and training.

A bench of Justices Raja Vijayaraghavan V and KV Jayakumar said...

QuoteImage

The appointment of a temple priest is not a religious function, but a function performed by a secular/civil authority (trustee). Appointment based on caste or lineage is not a constitutionally protected right under the Constitution. Any practice that violates human rights or social equality will not be recognized by the Court.

The court's comments came on a petition filed by the Akhila Kerala Thanthri Samajam (about 300 traditional Thanthri families), an organisation representing families who have been worshipping at the temple for generations.

The organization challenged the practice of appointing candidates trained at Thantra Vidyapeethas as priests, arguing that this was eroding the traditional authority of Brahmin families. Appointments should be made in accordance with religious texts such as the Agamas and Thantra Samuchayam.

The right to perform puja should only be reserved for traditional Thanthri families, but the Kerala Devaswom Board and the Devaswom Recruitment Board have introduced a new rule. Under this rule, anyone from any caste or lineage, provided they have received puja training from a recognized Thanthra school, can become a priest.

Thanthri Samaj says - the government or any board cannot interfere

Meanwhile, the Thanthri community opposes this rule. They argue that who will perform the puja at the temple is a religious matter. The government or any board cannot interfere in the appointment of a priest. This rule is against religious traditions and scriptures. What did the court say on the Thantra Vidya Peetha system. Thantra Vidya Peetha has a strict certification process of the candidates. Candidates who complete the course undergo initiation rituals, which certify their readiness for temple work.

SIR to begin nationwide from November

Process to be completed before 2026 state elections, Supreme Court directives to be followed

New Delhi, Agency: The Election Commission has completed preparations for a thorough revision of voter lists (SIR) across the country, starting in November. The SIR program will be designed to ensure that the work is completed in states going to the polls in May next year.

The plan is to prepare new voter lists in all states by March 2026. Election officials in all states have been instructed that Aadhaar card will be accepted as the 12th document.

The purpose of updating the voter list

The Commission claims its focus is on Kerala, Tamil Nadu, West Bengal, Assam,

and Puducherry, where elections are due by May 2026. The purpose of the SIR is to remove duplicate voters from electoral rolls and ensure that the voter is an Indian citizen.

Such a review is being conducted after two decades, as increasing urbanization and migration have necessitated it. The situation here is as follows: Andhra Pradesh had 55 million voters in 2003-2004, but now has 66 million. Uttar Pradesh had 115 million voters in 2003, and now has 159 million. Delhi had 11 million voters in 2008, and now has 15 million.

It was decided at the meeting that BLOs would visit every voter's home and deliver pre-field forms. Every voter who turns 18 by December 31st will be considered included in this process. There are 991 million voters across the country. Bihar has the largest number of voters, of which 18 are registered voters.

The process for approximately 80 million voters has been completed. Between 2002 and 2004, 700 million voters were registered in the SIR.

Horrific attack in Mumbai: Upset over breakup, man stabs ex-girlfriend outside maternity hospital, then slits his own throat

MUMBAI, Agency: A 24-year-old unemployed man, upset over breakup with his girlfriend, chased her to a maternity hospital in full public view in Lalbaug's Chinchpokli area early Friday morning, stabbed her, and then slit his own throat.

The accused, identified as Sonu Barai, died from his injuries, while the 24-year-old woman, Manisha Yadav, is admitted to the ICU of a private hospital. According to Kalachowki police, the incident occurred around 10:30am on Dattaram Lad Marg near Chinchpokli, when the man and woman were walking towards Chinchpokli station from the direction of the Kalachowki police station.

Eyewitnesses told police that the man suddenly began attacking the woman with a knife on the road.

In an attempt to save her life, the woman ran into a nearby nursing home. The assailant followed her inside and stabbed her multiple times. When locals and nursing home staff

tried to intervene, the man reportedly turned the knife on himself and slit his own throat.

Both were rushed to KEM Hospital in Parel for immediate treatment. The Kalachowki Police and Deputy Commissioner of Police (Zone 4) R. Ragasudha reached the spot soon after the incident. A police team has also been deployed at KEM Hospital.

From the preliminary inquiries it appears that the two who are neighbours were in relationship for a while but recently they broke off as the accused suspected her of looking for someone else.

City authorities close median gap at Bomikhal ROB for road safety

Bhubaneswar, Agency: In a huge relief for commuters and pedestrians alike, city authorities finally closed the median gap created at the end of Bomikhal road overbridge (ROB) towards the Rasulgarh side ensuring greater road safety on the busy Cuttack-Puri Road. MEDIA recently highlighted how the newly-created median gap at the end point of Bomikhal ROB near a busy shopping mall was causing massive traffic chaos in this portion as vehicles moved in a haphazard manner on the road. The median gap on the busy artery was created just after Durga Puja allowing vehicles coming from Rasulgarh to ascend the Bomikhal ROB and move towards Saheed Nagar or Bomikhal sides.

This, however, led to chaos and confusion as vehicles, mostly four-wheelers, started misusing the median gap to take U-turns to the other side of the road where the mall is located. This led to traffic jams and escalated road safety concerns. The gap is now closed using permanent iron barricades, preventing vehicles and motorists

from causing any kind of congestion in this portion of the busy road. This is a very typical section of the Cuttack-Puri Road," said Bomikhal resident Vikrant Jena.

Jena said the Bomikhal ROB never came in good use for anyone. "The median gap creation near the mall side doubled the confusion. Now with the closure of the gap, there is at least some discipline on the road," said Jena, a daily commuter. The situation, however, remained critical on the other side of the ROB near Ekamra Talkies, where the barricades are rearranged, allowing traffic to enter the bridge while also using the service lanes on both sides of the road.

Kin pin hopes on HC as deadline for Sunali's return nears

Kolkata, Agency: With the four-week deadline to bring back Sunali Khatun and five others from Bangladesh ending on Friday, their families have decided to move the Calcutta High Court on Oct 27 seeking implementation of its order. On the other hand, the six appeared before a Bangladesh court on Thursday where the charge sheet on their illegal entry was submitted.

A Calcutta HC division bench of justices Tapabrata Chakraborty and Reetobroto Kumar Mitra had on Sept 26 directed authorities to bring back Khatun and the others. The six have been lodged in a Bangladesh prison since Aug 26.

Representing those stranded in Bangladesh jail, senior advocate Raghunath Chakraborty told MEDIA: "After the Sept 26 order of the Calcutta HC, we wrote to

the Union home ministry twice hoping for the return of Khatun and her family as well as Sweety Bibi and her two sons. The four-week timeframe approximately ends on Oct 24. If nothing happens, we will move Calcutta HC seeking implementation of the order."

Mofijul Sheikh, a social worker from Birbhum who has been camping at Chapai Nawabganj in Bangladesh on behalf of West Bengal Migrant Workers' Welfare Board chairman Samirul Islam to facilitate the return of the six, said Khatun was not doing well and is not receiving adequate medical attention.

"Sunali's daughter, sister and mother are in Delhi awaiting her return," Sheikh said, adding that Khatun's six-year-old daughter Afrina had called him asking about her mother's return. "The child has been away from her mother for six months. She keeps insisting she wants to speak to her mother, but it could not be made possible," Sheikh said further.

Twenty-six-year-old Khatun, her husband Danish Sheikh and their eight-year-old son Sabir, and Sweety Bibi, 32, along with her sons Kurban and Imam, were picked up by law enforcement on June 21 on suspicion of being illegal Bangladeshi immigrants.

On June 24, the Delhi Foreigners Regional Registration Office directed for them to be kept at a community centre in Delhi's Rohini.